RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः297, शनिवार, 08 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

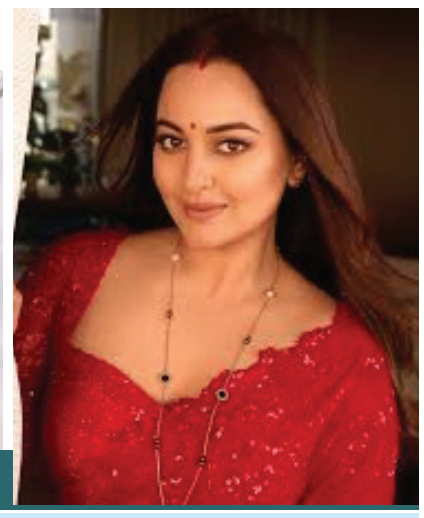

सम्राट बोले- लालू के परिवार से कोई नहीं जीतेगा चुनाव.... 03

पहले चरण की बंपर वोटिंग से उत्साहित तेजस्वी यादव बोले – "बदलाव तय, अब आएगी नई ... 04

जटाधारी रिलीज से पहले ही जबरदस्त चर्चा में... 07

इजरायल की बादशाहत को तोड़ेगी सऊदी वायुसेना!

'अदृश्य' फाइटर जेट लेकर बनेगा पहला अरब देश

रियाद (एजेंसी)। खाड़ी का सबसे प्रभावशाली सुन्नी मुस्लिम सऊदी अरब पहला अरब देश बन सकता है जो अमेरिका से पांचवीं पीढ़ी का एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट खरीद सकता है। सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं और डोनाल्ड ट्रंप से इसको लेकर बातचीत होनी है। सऊदी प्रिंस ने ट्रंप से एफ-35 जेट मांगा है जिसका इस्तेमाल इजरायली वायुसेना ने ईरान में तबाही मचाने के लिए किया था। ईरान के साथ लड़ाई में इजरायली वायुसेना पूरी तरह से

भारी पड़ी थी और उसने जहां चाहा वहां हमले को अंजाम दिया था। ईरानी रडार बुरी तरह से फेल हुए थे। इसके बाद से अब अरब देशों में इसको लेकर मांग तेज हो गई है। तुर्की पहले से ही प्रयास कर रहा है कि एफ-35 उसे मिल जाए, वहीं कतर को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। मिडिल ईस्ट में अभी केवल इजरायल ही वह देश है जिसके पास यह दुनिया का सबसे आधुनिक फाइटर जेट है।

लालू का बेटा शहाबुद्दीन अमर रहे के नारे लगा रहा

भागलपुर में शाह बोले-ओसामा जीत गया तो दंगे होंगे

भागलपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भागलपुर में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, क्या आप चाहते हैं कि फिर से जंगलराज आए। एक बार फिर से ये लोग चेहरा बदलकर वापसी करना चाहते हैं। यहां लालू का बेटा खुद ही शहाबुद्दीन अमर रहे के नारे लगा रहा है। एनडीए के खिलाफ जो ठगबंधन है वो बिखरा हुआ है। वो आपस में ही लड़ रहे हैं, लेकिन एनडीए मोदी-नीतिश के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है। हम बिहार को बाढ़ मुक्त बनाएंगे। इससे पहले उन्होंने जमुई

की सभा में कहा था कि,अगर वोट डालने में जरा भी गलती हुई। तीर या कमल छाप से जरा भी इधर-उधर गए तो फिर से जंगलराज आने वाला है। कल ही पहला फेज हुआ है। लालू-राबड़ी की पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया है। पहले फेज में जनता ने डंके की चोट पर ऐलान कर दिया है, जंगलराज वेष बदलकर आना चाहता है, हम आने नहीं देंगे। अपने 30 मिनट के भाषण में शाह ने जंगलराज की याद दिलाई। लालू-तेजस्वी और सोनिया-राहुल पर जमकर हमला किया। शाह ने कहा, महिलाओं को 10 हजार रुपए रोजगार के लिए दे रहे हैं।

आरजेडी-कांग्रेस वाले बिहार में फिर जंगलराज लाना चाहते हैं

मोतिहारी में सीएम योगी बोले-पहले चारा खाया अब राशन खा जाएंगे

रक्सौल, मोतिहारी (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूर्वी चंपारण के रक्सौल में सभा की। उन्होंने कहा कि, मैं युवाओं से कहूंगा कि किसी के बहकावे में आने की आवश्यकता नहीं है। ये नौकरी क्या देंगे जिन्होंने आपकी जमीन हड़प ली। ये लोग क्या नौकरी देंगे जो पशुओं का चारा खा जाते हों। ये केवल गरीब का राशन हड़पने के लिए धोखा देने का काम

महागठबंधन करने जा रहा है। योगी ने कहा कि, पहले फेज की वोटिंग में बिहार की जनता ने एकतरफा एनडीए के पक्ष में मतदान किया। बिहार में फिर से जंगलराज की वापसी नहीं होनी चाहिए। बिहार का गौरवशाली इतिहास है। भगवान बुद्ध को इस धरती पर ही ज्ञान मिला था। ये लोग फिर से लालटेन लेकर आए हैं। ये लालटेन नहीं है डकैती डालने का एक सर्टिफिकेट था। ये वही लोग हैं जिन लोगों ने लालटेन की धुंधली लाइट में जातीय संघर्ष कराया था। 2005 के पहले इन्होंने चारा हजम किया। अब आपका राशन हजम करने आए है। ये कभी नहीं होने देना है।

रोबोट आर्मी बनाएंगे मस्क, इससे गरीबी मिटाने का दावा

1 ट्रिलियन डॉलर वेतन पैकेज को शर्तों के साथ मंजूरी, रोबोट के साथ डांस किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के शेयरधारकों ने सीईओ इलॉन मस्क के लिए अब तक का सबसे बड़ा वेतन पैकेज शर्तों के साथ मंजूर कर दिया है। यह पैकेज 1 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 83 लाख करोड़) का है। ये पैकेज अब उन्हें दुनिया का पहला ट्रिलियनेयर बना सकता है। वोटिंग में 75 फीसदी से ज्यादा शेयरधारकों ने हां कहा, जिसमें मस्क के 15 फीसदी शेयर्स शामिल नहीं थे। वेतन पैकेज मंजूर होने के बाद मस्क ने शेयरधारकों को थैंक किया और स्टेज पर डांस भी किया। उन्होंने कहा,ये टेस्ला का नया चैप्टर नहीं, बल्कि नई बुक है। इलॉन मस्क का मिला ट्रिलियन डॉलर का पैकेज उन्हें 2018 में मिले 56 बिलियन डॉलर के पैकेज से करीब 16 गुना ज्यादा है। नया पैकेज 10 साल के लिए है। रोबोट्स पर बात करते हुए मस्क ने कहा, ये सबसे बड़ा प्रोडक्ट होगा, सेल फोन्स से भी बड़ा... हर इंसान को अपना पर्सनल रोबोट चाहिए होगा। उन्होंने दावा किया कि रोबोट्स सर्जन्स रिप्लेस कर देंगे, ग्लोबल पॉवर्टी खत्म करेंगे, इकोनॉमी रीशेप करेंगे। ऑप्टिमस टेस्ला का ह्यूमनॉइड रोबोट है, जो 2021 में अनाउंस हुआ और 2022 में पहला प्रोटोटाइप दिखाया गया। इसका मकसद फैक्ट्री वर्क, घरेलू काम या वो जॉब्स करना है जो इंसान नहीं करना चाहते। टेस्ला का फोकस अब रोबोट और ऑटोनॉमस कार्स पर ही है।

ऑप्टिमस रोबोट से गरीबी मिटाने का दावा किया था

बीते दिनों उन्होंने टेस्ला के तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान उनके ऑप्टिमस रोबोट की मदद से गरीबी मिटाने का दावा किया। उन्होंने कहा- ये गरीबी को खत्म करने और एडवांस्ड हेल्थकेयर को सबके लिए आसानी से उपलब्ध बनाने में बड़ा रोल निभा सकता है। रोबोट्स और ऑटोमेशन इंसानों के कंधों से मेहनत का बोझ हटा लेंगे, ताकि समाज हाई-वैल्यू वाले कामों पर ध्यान दे सके। मस्क ने कहा कि ऑप्टिमस एक दिन कमाल का सर्जन बन सकता है, और ये उनकी लॉन्ग-टर्म सोच का हिस्सा है। मस्क ने कहा भले ही ये दावे अभी सिर्फ कल्पना ही लगते हैं, लेकिन ये बातें दिखाती हैं कि टेस्ला इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के बाद रोबोटिक्स को अपना अगला बड़ा प्रोडक्ट बना रही है।

भारत के खेल से खट्टे होंगे 'दुश्मन' के दांत

● 'चिकन नेक' की रक्षा के बना दिए 3 नए गढ़ ● पाक और बांग्लादेश गठजोड़ की निकलेगी हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बांग्लादेश के साथ अपनी संवेदनशील और लंबी सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। भारत ने शुक्रवार को तीन नई सैन्य छावनियों (गैरीसन) का उद्घाटन किया है। ये छावनियां असम के धुबरी के पास बामुनी, बिहार के किशनगंज, और पश्चिम बंगाल के चोपड़ा में स्थित हैं। ये तीनों गढ़ अब पूरी तरह से ऑपरेशनल हैं। इन्हें भारतीय सेना व सीमा सुरक्षा बल के लिए फोर्स मल्टीप्लायर यानी शक्ति में बढ़ोत्तरी माना जा रहा है। इन नई छावनियों का उद्देश्य 4096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा में मौजूद रणनीतिक कमजोरियों को दूर करना और किसी भी संभावित घुसपैठ या आपात स्थिति में तेजी से जवाब देने की क्षमता बढ़ाना है। इस कदम का एक अहम भू-राजनीतिक पहलू भी है।

नई दिल्ली की रणनीतिक तैयारी तेज

रक्षा सूत्रों के अनुसार, इन छावनियों के साथ भारत ने सीमा पर आधुनिक उपकरणों, सड़क नेटवर्क और निगरानी प्रणालियों की तैनाती भी बढ़ा दी है। यह सब भारत की बॉर्डर मॉडर्नाइजेशन ड्राइव के तहत किया जा रहा है। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि नई छावनियां न केवल हमारी तैनाती को मजबूत करेंगी बल्कि घुसपैठ या बाहरी गतिविधियों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने में भी मददगार होंगी।

ढाका-रावलपिंडी समीकरण पर नजर

इस सामरिक सुदृढ़ीकरण की टाइमिंग भी बेहद अहम मानी जा रही है। कुछ ही हफ्ते पहले, बांग्लादेश के अंतरिम मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मेजबानी की थी। पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शामशाद मिर्जा ने ढाका पहुंचकर यूनुस से उनके जमुना निवास पर मुलाकात की। दोनों के बीच क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई। हालांकि, भारतीय सुरक्षा हलकों में इस मुलाकात को सिर्फ कूटनीतिक औपचारिकता से कहीं अधिक माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, ढाका और रावलपिंडी के बीच ऐसे और संवाद आने वाले हफ्तों में जारी रह सकते हैं, जिससे दिल्ली की सतर्कता और बढ़ गई है। भारत की ओर से सीमा पर नए गढ़ों का निर्माण न केवल सुरक्षा दृष्टिकोण से बल्कि राजनीतिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम स्पष्ट करता है कि भारत अपने पूर्वी मोर्चे पर किसी भी भू-राजनीतिक अस्थिरता या पड़ोसी देशों के बदलते समीकरणों को लेकर चुपचाप लेकिन सख्त तैयारी में जुटा हुआ है।

हाईवे और सड़कों से हटाए जाएं आवारा कुत्ते-मवेशी

● सुप्रीम कोर्ट का सरकार को सख्त निर्देश, लगाई लताड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शैक्षणिक केंद्रों और अस्पतालों जैसे संस्थागत क्षेत्रों में कुत्ते के काटने की घटनाओं में बढ़ोत्तरी पर संज्ञान लिया। अदालत ने निर्देश दिया कि ऐसे कुत्तों को निर्धारित आश्रयों में ले जाया जाए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की तीन सदस्यीय विशेष पीठ ने आवारा कुत्तों के मामले में कई निर्देश जारी किए। इनमें राजमार्गों व एक्सप्रेसवे से मवेशियों और अन्य आवारा पशुओं को हटाने तथा उन्हें निर्धारित आश्रयों में शिफ्ट करने की बात शामिल है। पीठ ने अधिकारियों को सरकारी, निजी शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों आदि के परिसर में आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने का निर्देश दिया, ताकि कुत्ते के काटने की घटनाओं को रोका जा सके। इसने निर्देश दिया कि ऐसे संस्थानों से पकड़े गए आवारा कुत्तों को उसी जगह पर वापस नहीं छोड़ा जाए। बेंच ने अधिकारियों को राजमार्गों के उन हिस्सों की पहचान करने के लिए अभियान चलाने को कहा, जहां आवारा पशु अक्सर पाए जाते हैं। इसने मामले की अगली सुनवाई 13 जनवरी को निर्धारित की। 3 नवंबर को शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह संस्थागत क्षेत्रों में कुत्ते के काटने की गंभीर खतरे से निपटने के लिए अंतरिम निर्देश जारी करेगी, जहां कर्मचारी आवारा कुत्तों को खिलाते और प्रोत्साहित करते हैं। शीर्ष अदालत एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही है, जिसकी शुरुआत 28 जुलाई को राजधानी में कुत्ते के काटने से रेबीज होने की एक मीडिया रिपोर्ट पर हुई थी। इसने आवारा कुत्तों के मामले को सीमाओं से परे विस्तारित किया।

देश में कोई भी नहीं मानता है कि पायलट की गलती है

कैप्टन सुमित के पिता से बोला एससी, नोटिस जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एयर इंडिया बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर के पायलट-इन-कमांड, दिवंगत कैप्टन सुमीत सभरवाल के पिता से कहा कि देश में कोई भी यह नहीं मानता कि यह पायलट की गलती थी। जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां की पीठ ने यह टिप्पणी 91 वर्षीय पिता पुष्कर सभरवाल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। सभरवाल ने इस दुर्घटना की स्वतंत्र और तकनीकी रूप से ठोस जांच की मांग की है, जिसकी निगरानी सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा की जाए। अहमदाबाद में हुए इस क्रैश में 260 लोगों की जान गई थी, जिसमें 241 यात्री और चालक दल के सदस्य शामिल थे। इस विमान हादसे की जांच को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस दिवंगत कैप्टन सुमित सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल की याचिका पर जारी किया गया।

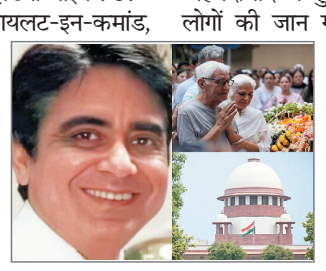

राहुल के वोट चोरी का जवाब होगा 'वोट जिहाद'

महाराष्ट्र में बीजेपी की नई रणनीति, 'खेला' की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में वोट चोरी के आरोप लगाए हैं। हाल ही में उन्होंने एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस में हरियाणा को लेकर भी ऐसे ही दावे किए। इस बीच महाराष्ट्र में बीजेपी एक नई रणनीति पर काम कर रही है। इस रणनीति के तहत वोट चोरी के आरोपों का काउंटर करने के लिए 'वोट जिहाद' मुहिम शुरू की जा रही है। पार्टी के एक कैंपेन मैनेजर ने कहा, पिछले लोकसभा चुनाव में महा विकास आघाड़ी के संविधान-विरोधी नैरेटिव को हमने हल्के में लिया था, जिसका भारी नुकसान हुआ। अब हम विपक्ष के हर मुद्दे का जवाब देंगे और 'वोट जिहाद' मुहिम को जमीनी स्तर तक पहुंचाएंगे। जानकारी के मुताबिक, पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को महाराष्ट्र की 48 सीटों में से केवल 9 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि 2019 में पार्टी ने 23 सीटें जीती थीं। अब अपनी नई मुहिम को धार देने के लिए बीजेपी राज्य की सभी 288 विधानसभा सीटों पर तालुका स्तर तक कार्यकर्ता नियुक्त करने की योजना बना रही है। इस अभियान में पूर्व मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार अहम भूमिका निभाएंगे।

'वोट जिहाद' पर विवाद तेज

बीजेपी की इस नई रणनीति पर आशीष शेलार ने कहा कि महा विकास आघाड़ी सिर्फ मराठी और हिंदू डुप्लीकेट वोटों की बात करती है। विपक्ष मुसलमानों के डुप्लीकेट वोटों पर चुप क्यों है। हमारे पास सबूत हैं कि कर्जत-जामखेड, मुंब्रा, कल्याण, मलाड वेस्ट और धारावी जैसे इलाकों में हजारों डुप्लीकेट मुस्लिम वोट हैं। राज्यभर में ऐसे लगभग 10.6 लाख वोट हो सकते हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चवन ने भी इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जब वोट चोरी के आरोप सामने आए थे, बीजेपी ने सबसे पहले इस पर चिंता जताई थी और मतदाता सूची (इलेक्टोरल रोल) में संशोधन की मांग की थी। लेकिन विपक्ष ने जानबूझकर एक फर्जी नैरेटिव चलाकर बीजेपी की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की।

वंदे मातरम् के विभाजन ने बोए विभाजन के बीज

● पीएम मोदी ने कहा-यह हर दौर में प्रासंगिक है, 1937 में इसके टुकड़े किए गए ● पीएम बोले-वंदे मातरम् भारत की आजादी का उद्घोष था, इसका एक हिस्सा हटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- वंदे मातरम् भारत की आजादी का उद्घोष था। यह हर दौर में प्रासंगिक है। 1937 में वंदे मातरम् का एक हिस्सा हटा दिया गया था। उसके टुकड़े कर दिए थे। वंदे मातरम् के इस विभाजन ने देश के विभाजन के बीज बोए थे। राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ ये अन्याय क्यों हुआ। वही विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए चुनौती बनी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने के मौके पर नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- वंदे मातरम् के मूल रूप में लिखा है कि भारत माता सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा हैं। जब दुश्मन ने आतंक के लिए जरिए भारत की सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया, तो पूरी दुनिया ने देखा, नया भारत आतंक के विनाश के लिए दुर्गा भी बनना जानता है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र गीत के 150 साल पूरे होने के मौके पर एक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। उन्होंने साल भर चलने वाले स्मरण समारोह का उद्घाटन किया और एक वेबसाइट भी लॉन्च की। पीएम ने वंदे मातरम् के सामूहिक गायन कार्यक्रम में भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा- रवींद्रनाथ टैगोर ने एक बार कहा था कि बंकिमचंद्र का आनंदमठ सिर्फ एक उपन्यास नहीं है। यह स्वतंत्र भारत का एक सपना है। बंकिम बाबू के लिखे हर शब्द का गहरा मतलब है।

संक्षिप्त समाचार

सोनपुर मेले में पहुंचा 11 लाख कीमत का 'साधु' घोड़ा, 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार

हाजीपुर। एशिया का प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला इस बार बिहार विधानसभा चुनाव के कारण चार दिन की देरी से शुरू होगा। परंपरागत रूप से मेले की शुरुआत कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन से होती है, लेकिन इस वर्ष उद्घाटन में विलंब हो रहा है। मेले के घोड़ा बाजार में अब तक लगभग 1500 घोड़े पहुंच चुके हैं। इनमें विभिन्न प्रजातियों के घोड़े शामिल हैं, जो सोनपुर मेले के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। 'साधु' के बिहार में ही नहीं यूपी, हरियाणा और गुजरात में भी दीवाने इन घोड़ों में सबसे पहले

11 लाख रुपये की कीमत वाला 'साधु' घोड़ा पहुंचा है। यह घोड़ा अपनी तेज रफ्तार के लिए जाना जाता है। घोड़ा 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ सकता है। 'साधु' घोड़ा केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा और गुजरात सहित कई अन्य राज्यों में भी अपनी पहचान बना चुका है। इसने अब तक पांच रेस जीती हैं। घोड़े के व्यापारी अशोक यादव ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से इस कारोबार में है। उन्होंने कहा कि मंडी में 1000 से अधिक घोड़े पहुंच चुके हैं। यादव ने यह भी बताया कि पिछले वर्षों में कार्तिक पूर्णिमा के तुरंत बाद मेले का उद्घाटन हो जाता था, लेकिन इस बार चुनाव के कारण इसमें देरी हो रही है।

बारिश के कारण मैदान में भरा पानी, अब हालात सामान्यः मुकेश कुमार सिंह ने विलंब का कारण चुनाव और बारिश बताया। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण पानी भर गया था, जिसे निकालने के बाद ही जगह बन पाई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कार्तिक पूर्णिमा 5 नवंबर को थी और 6 नवंबर को चुनाव था।

सारण ईवीएम संबंधी भ्रामक वीडियो बना प्रसारित करने पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज

सारण। सारण जिले में चुनाव के माहौल को खराब करने के नियत से भ्रामक एवं झूठा वीडियो प्रसारित करने और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में सारण साइबर थाना ने सख्त कार्रवाई करते हुए

कई सोशल मीडिया अकाउंट संचालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सारण पुलिस ने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान यह पाया गया कि कुछ अकाउंट्स द्वारा ईवीएम से संबंधित वीडियो पोस्ट किए गए. इन वीडियो में एक विशिष्ट राजनीतिक दल को मतदान करते हुए दिखाया गया है जो चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों और आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है। इस तरह के कार्य को सरकारी कार्यों में बाधा और विधि-व्यवस्था भंग करने का प्रयास माना गया है। सारण पुलिस ने बताया कि उक्त प्रोफाइल और उनके संचालकों के विरुद्ध साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।मामले में अग्रतर विधिसम्मत कार्रवाई जारी है। सारण पुलिस ने नागरिकों से कड़ी चेतावनी के साथ अपील की है कि वे चुनाव प्रक्रियाओं से संबंधित कोई भी वीडियो, फोटो या सामग्री जो निर्वाचन नियमों का उल्लंघन करती हो, उसे सोशल मीडिया पर साझा न करें।

जिले में सभी सीटों पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न, देर रात तक स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर राजनीतिक दलों का पहरा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर की सभी 11 विधानसभा सीटों पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो गया। मतदान के बाद EVM को निर्धारित प्रक्रिया के तहत लॉक, सील और टैग किया गया। इसके बाद देर रात तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्ट्रॉन्ग रूम तक पहुंचाया गया। स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर पूरी रात राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी बनी रही। सभी दलों ने बाहर कैंप कर निगरानी की, ताकि EVM की सुरक्षा सुनिश्चित रहे।

मतदान समाप्त होते ही EVM लॉक और सीलिंग की प्रक्रियाः शाम छह बजे मतदान प्रक्रिया समाप्त होते ही सभी पोलिंग बूथों पर EVM लॉक करने की प्रक्रिया शुरू हुई। प्रिसाइडिंग ऑफिसर ने मॉक पोल का डेटा क्लियर कराया, फिर बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और VVPAT को लोगों के सामने लॉक किया गया। पूरी प्रक्रिया वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ और उपस्थित पोलिंग एजेंटों की मौजूदगी में संपन्न हुई। सील पर सभी एजेंटों के हस्ताक्षर भी लिए गए।

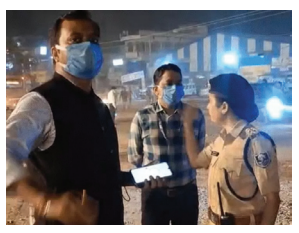

डिस्पैच सेंटर पर देर रात तक चहल-पहलः मतदान टीमें EVM के साथ डिस्पैच सेंटर पहुचीं। जहां बूथवार काउंटर पर रिसीविंग की व्यवस्था की गई थी। डिस्पैच सेंटर पर माहौल रात 11 बजे तक काफी सक्रिय रहा। सब कुछ व्यवस्थित तरीके से संचालित किया गया। नगर डीएसपी-2 विनीता सिन्हा ने कहा कि बाजार समिति में मतगणना स्थल बनाया गया है। जीरो माइल से लेकर बखरी चौक तक भाड़ी वाहनों के परिचालन पर पूरी तरह से रोक है । इसके अलावा कई जगहों पर सुरक्षा के ख्याल से बेरिकेडिंग के साथ सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है ।

मुजफ्फरपुर के चंगेल गांव में विवाहिता की मौत, मायका पक्ष ने दहेज को लेकर हत्या का लगाया आरोप

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के जजुआर क्षेत्र के चंगेल गांव में गुरुवार की शाम एक 25 वर्षीय विवाहित महिला का शव घर के अंदर फंदे से झूलता हुआ मिला। मृतका की पहचान राकेश कुमार की पत्नी संगीता देवी के रूप में की गई है। घटना को लेकर मायके पक्ष ने पति और सास पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या कर शव टांग देने का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस ने मामले को संदिग्ध बताते हुए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार करने की बात कही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गुरुवार को जब पूरे इलाके में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मतदान चल रहा था, तब राकेश कुमार और उसकी मां घर से वोट डालने गए हुए थे। इसी बीच संगीता घर में अकेली थी। शाम के समय घर में जब देखा गया तो संगीता का शव कमरे की बल्ली से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ पाया गया।घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग घर पर जुट गए। इसके बाद यह जानकारी संगीता के मायके वालों को दी गई।

मायके पक्ष का आरोपः दहेज के लिए होती थी प्रताड़नाः मृतका की भाभी रागिनी देवी ने बताया कि संगीता की शादी सात साल पहले सींवाड़ा, लहेरिया सराय (जिला दरभंगा) में हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही दहेज की मांग को लेकर तनाव शुरू हो गया था।उन्होंने आरोप लगाया कि:"राकेश और उसकी मां संगीता को अक्सर मारते-पीटते थे। दहेज में मोटरसाइकिल और पैसे की मांग की जाती थी। कई बार पंचायत भी हुई, पर वे लोग नहीं सुधरे। गुरुवार को उन्होंने संगीता की हत्या कर दी और इसे आत्महत्या जैसा दिखाने के लिए शव को फंदे से टांग दिया।"मृतका का एक पांच साल का बेटा भी है, जो अब माँ के बिना रह गया है।

घटना के बाद पुलिस की कार्रवाईः घटना की सूचना मिलते ही जजुआर ओपी प्रभारी सुमित मिश्रा पुलिस टीम के साथ चंगेल गांव पहुंचे। पुलिस ने सबसे पहले कमरे की जांच की, फिर शव को नीचे उतरवाया और कागजी कार्यवाही के बाद एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव संदिग्ध परिस्थिति में मिला है। मायके पक्ष के बयान के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जानकारी में आत्महत्या की संभावना नजर आ रही है, लेकिन सभी बिंदुओं पर जांच होगी।

गांव में मातम, मायके में रो-रोकर बुरा हालः संगीता की मौत की खबर से उसके मायके में कोहराम मचा हुआ है। परिजन और महिलाएं लगातार बेहोश हो रही हैं। वहीं गांव में लोग इसकी चर्चा में लगे हुए हैं कि घटना हत्या है या आत्महत्या, सच्चाई केवल जांच के बाद ही सामने आएगी।

सम्राट बोले- लालू के परिवार से कोई नहीं जीतेगा चुनाव

चिराग का दावा-पहले फेज में 100 सीटें जीत रहे, कल हुई वोटिंग पर शाह की बैठक

एजेंसी, पटना

पटना में बीजेपी ऑफिस में अमित शाह कल हुई वोटिंग को लेकर पार्टी नेताओं के साथ मीटिंग की। बैठक में विनोद तावड़े, धर्मेंद्र प्रधान समेत कई नेता मौजूद रहे। इधर, लोजपा (आर) अध्यक्ष चिराग पासवान ने दावा किया, 'हमलोग 121 में 100 सीट आराम से जीत रहे है। मैं अपनी सीट पर बात करूं तो 14 सीटें पॉजिटिव है।' चिराग ने कहा, 'जिस तरह से डबल इंजन की सरकार की ऊपर जनता का विश्वास बढ़ा है। एक साल से पीएम ने जो बिहार आकर बिहार और बिहारियों के लिए योजनाओं को समर्पित किया है। इससे हमारी सरकारी के ऊपर विश्वास बढ़ा है। ज्यादा दिन बचे नहीं है।'

सम्राट चौधरी बोले- लालू के परिवार से कोई चुनाव नहीं जीतेगाः पहले फेज की

वोटिंग के बाद गुरुवार को डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने कहा, 'हम 130 सीटों में से 100 सीटें जीत रहे हैं। 2010 के चुनाव में जिस तरह से लालू परिवार से कोई चुनाव नहीं जीत पाया था। वैसे ही इस बार के चुनाव में भी उनके परिवार से कोई जीतकर नहीं आ पाएगा। दूसरे फेज में भी इसी तरह से वोटिंग कीजिए और NDA को विजयी बनाइए।'

45 मिनट हेलिकॉप्टर में बैठे रहे चिरागः लोजपा (आर) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को 45 मिनट तक हेलिकॉप्टर में बैठना पड़ा। इतनी देर इंतजार के बाद भी उन्हें उड़ान के लिए परमिशन नहीं मिली। दरअसल, एयर ट्रैफिक कंट्रोल में खराबी की वजह परमिशन नहीं मिली। जिसके बाद चिराग पासवान हेलिकॉप्टर से उतरे और इलाके में लोगों से मिलने लगे। चनपटिया सीट से एनडीए कैंडिडेट उमाकांत सिंह के लिए प्रचार किया।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, गुरुवार शाम से ही तकनीकी खराबी के कारण एयर कंट्रोलर्स को फ्लाइट का शेड्यूल नहीं मिल पा रहा है। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स मैन्युअली काम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑटोमैटिक मैसेज स्विच सिस्टम (AMSS) में गड़बड़ी आ गई है। इसमें प्लेन के शेड्यूल यानी टेकऑफ और लैंड की जानकारी देता है।

हथियार के बल पर 10 लाख की लूट ब्रांच क्रेडिट मैनेजर को मारी गोली

एजेंसी, पटना

बैंक में जमा कराने जा रहे थे कैश, सीसीटीवी में कैद वारदात

पटना के रामकृष्णा नगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल यूनियन बैंक के पास लूट के दौरान मैनेजर को गोली मार दी गई। बाइक से आए 2 अपराधियों ने भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड बैंक के BCM अविनाश कुमार को गोली मारकर 10 लाख कैश लूट लिए। शुक्रवार को अविनाश अपने साथी के साथ बाइक से कैश डिपोजिट करने यूनियन बैंक निकले थे। इसी बीच गोली मार दी गई। सुनील कुमार गाड़ी चला रहा था। अविनाश पीछे की सीट पर बैठे थे।

आरा के रहने वाले हैं मैनेजरः अविनाश कुमार बाजार समिति से ट्रांसफर होकर 6 महीने पहले गयाघाट ब्रांच में BCM (ब्रांच क्रेडिट मैनेजर) के पद पर आए थे। वो आरा बीवी गंज के रहने वाले हैं। गाड़ी चला रहे सुनील कुमार ने बताया,'स्पलेंडर बाइक मैं चला रहा था। रोज की तरह BCM सर पीछे कैश लेकर बैठे थे। इसी बीच एक बाइक से दो अज्ञात अपराधी हेलमेट लगाए पीछे से आए और छीना झपटी शुरू कर दी'। 'अपराधियों ने पिस्टल से पहली फायरिंग की कोशिश की। लेकिन मिस फायर हो गया। इसके बाद दूसरी फायरिंग की, जो गोली BCM अविनाश कुमार के राइट बांह में लग गई। फिलहाल मेदांता में एडमिट हैं'।

SDPO 2 रंजन कुमार ने बताया कि बाईपास पर यूनियन बैंक में 10 लाख रुपए जमा करने के लिए दो लोग बाइक से जा रहे थे। इसी बीच एक बाइक पर सवार हेलमेट पहने दो अपराधियों ने फायरिंग कर दी। एक गोली पीछे की सीट पर बैठे अविनाश कुमार को लग गई और रुपए से भरा बैग लेकर अपराधी कंकड़बाग की ओर भाग गए। अपराधियों की सीसीटीवी फुटेज के जरिए पहचान की जा रही है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी शुरू कर दी गई है।

स्ट्रांग रूम में 2 लेयर सिक्योरिटी

एजेंसी, पटना

पटना DM-SSP ने स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान लगभग सभी SDM, मजिस्ट्रेट मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद डीएम डॉक्टर त्याग राजन ने बताया कि 14 विधानसभा क्षेत्रों के सभी EVM कैंडिडेट्स और आब्जर्वर की मौजूदगी में स्ट्रॉन्ग रूम में सील कर दिए गए हैं। सभी स्ट्रॉन्ग रूम 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में हैं। EVM को देखने के लिए उम्मीदवारों की बैठने की व्यवस्था की गई है। वो भी 24 घंटे देख सकते हैं। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। फर्स्ट लेयर में CAPF और सेकेंड लेयर में BSAP के जवान रहेंगे। दो लेयर की सुरक्षा व्यवस्था होगी। थर्ड लेयर काउंटिंग के दिन बनाया जाएगा, जो 100 मीटर की परिधि के लिए कैंपस के बाहर बनाया जाएगा।

स्ट्रॉन्ग रूम की जिम्मेदारी CAPF और उसके बाहर कैंपस और बैरिकेडिंग जोन की सुरक्षा BSAP के पास होगी। कोई भी व्यक्ति यहां तक कि पदाधिकारी भी CAPF की बैगर अनुमति स्ट्रांग रूम में नहीं जा पाएंगे।

चसीसीटीवी से कड़ी निगरानी, पटना के 14 विस क्षेत्रों के ईवीएम हुए सील, डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

गेट पर मजिस्ट्रेट की तैनातीः पटना SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया,'सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है। स्ट्रॉन्ग रूम में अभी एक प्लाटून की फोर्स लगाई गई है। जिला बल की पुलिस काउंटिंग के दिन बाहर में मौजूद रहेगी। ऑल ओवर काउंटिंग के दिन तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था होगी'। AN कॉलेज के सभी एंट्री गेट पर एक एक मजिस्ट्रेट तैनात हैं। फिलहाल 3 गेट एंट्री और एक्जिट के लिए हैं और तीनों पर मजिस्ट्रेट हैं। इसके अलावा कैंपस में एक मजिस्ट्रेट हैं। 3 शिफ्ट में सभी की ड्यूटी लगाई गई है।

अमित शाह बोले, 'वंदे मातरम्' ने भारतीयों में देशभक्ति जगाई, राष्ट्रीय गीत के 150 साल

एजेंसी, पटना

पटना के बीजेपी कार्यालय में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। पूरा परिसर 'वंदे मातरम्' के जयघोष से गूंज उठा। अमित शाह ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि आजादी के आंदोलन का राष्ट्रीय उदघोष था। इस गीत ने हर भारतीयों में देशभक्ति की ज्वाला जगाई। उन्होंने कहा कि 150 साल पहले आज ही के दिन बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने इसे पहली बार सार्वजनिक किया था, जो आगे चलकर स्वाधीनता आंदोलन की भावना का प्रतीक बना। शाह ने घोषणा की 'वंदे भारत मातरम्' अभियान देशभर में चलाया जाएगा, जिसे हर भारतीय भाषा में प्रचारित किया जाएगा, ताकि देश के हर नागरिक तक इसकी भावना पहुंचे। उन्होंने कहा, भारत कोई जमीन का टुकड़ा नहीं है, यह एक संस्कृति है, एक विचार है। संस्कृति ही हमें एक सूत्र में बांधती है।

कार्यक्रम के बाद अमित शाह ने बीजेपी

कार्यालय में बैठक की। बैठक में कल की विधानसभा चुनाव के 121 सीटों का फीडबैक ली। धर्मेंद्र प्रधान ने कल के 121 विधानसभा क्षेत्र में चुनाव का पूरा फीडबैक लिया। जहां पर NDA की स्थिति गंभीर है। वहां के प्रत्याशियों से फोन पर बातचीत की। दूसरे चरण में भाजपा के कई बड़े नेताओं का कार्यक्रम होगा इसको लेकर के भी विचार-विमर्श हुआ।

भारतीय भाषाओं के अधिक उपयोग पर जोरः अमित शाह ने कहा कि जनसंघ और बीजेपी की राष्ट्रवादी विचारधारा को याद करते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा राष्ट्रीय हित और स्वदेशी भावना को सर्वोपरि रखा है। इसी के तहत कार्यक्रम

♦ 121 विधानसभा क्षेत्र में चुनाव का लिया फीडबैक

में उपस्थित सभी लोगों ने 'स्वदेशी संकल्प पत्र' पढ़ा, जिसमें विदेशी उत्पादों के बजाय भारतीय वस्तुओं को अपनाने, गांव-गांव स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और युवाओं को स्वदेशी के महत्व के प्रति जागरूक करने की प्रतिज्ञा ली गई। साथ ही भारतीय भाषाओं के अधिक उपयोग पर जोर दिया गया।

शाह की तीन जनसभाएं और रोड शोः बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अमित शाह आज भी NDA के पक्ष में प्रचार करेंगे। वो आज जमुई, भागलपुर में जनसभा और पूर्णिया में रोड शो करेंगे। पूर्णिया में रोड शो सदर विधानसभा क्षेत्र में आरएन साह चौक स्थित वीर सिंह स्मारक से शुरू होगा और लखन लाल चौक, खीरु चौक होते हुए आस्था मंदिर में समाप्त होगा। मंदिर पहुंचकर शाह पूजा-अर्चना करेंगे और BJP उम्मीदवार विजय खेमका के समर्थन में मतदाताओं से वोट देने की अपील करेंगे। रोड शो में NDA के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

बिहार में पहले चरण का चुनावी रण खत्म होने के साथ दूसरे चरण के 122 सीटों के लिए तैयारी तेज

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का मतदान गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इस चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर वोट डाले गए। पहले चरण में हुए बंपर वोटिंग के बाद सभी दलों की नजर अब राज्य के बाकी बचे 122 सीटों पर केंद्रित हो गया है।

सभी राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों और वोट बैंक को मजबूत करने के लिए एक्टिव मोड में नजर आ रहे हैं। इस क्रम में आज बिहार के कई जिलों में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री से लेकर केन्द्र मंत्रियों और बड़े नेताओं का कार्यक्रम तय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज औरंगाबाद और भभुआ में एनडीए प्रत्याशी के समथन में चुनावी सभा करेंगे। शिवहर में केंद्रीय मंत्री चिराग

पासवान का कार्यक्रम पुरनहिया में होगा, जबकि केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का प्रचार डोर-टू-डोर कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाएगा। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समाहरणालय मैदान में चुनावी सभा करेंगे। कार्यक्रम के जानकारी शिवहर से जदयू प्रत्याशी स्वेता गुप्ता ने दी।

दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के चुनाव में सीधा मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की अगुवाई वाले महागठबंधन के बीच माना जा रहा है।हालांकि इन दोनों के बीच जनसुराज पार्टी ने भी अपनी पूरी ताकत लगा दी है। दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा। इस चरण में 122 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है।

दूसरे चरण में इन विधानसभा क्षेत्रों में होना है मतदानः दूसरे चरण में वाल्मीकिनगर, रामनगर (एससी), नरकटियागंज, बगहा, लौरिया, नौतन, चनपटिया, बेतिया, सिकटा, रक्सौल, सुगौली, नरकटिया, हरसिद्धि (एससी), गोविंदगंज, केसरिया, कल्याणपुर, पिपरा, मधुबन, मोतिहारी, चिरैया, ढाका, शिवहर, रीगा, बथनाहा (एससी), परिहार, सुरसंड, बाजपट्टी, सीतामढ़ी, रून्नीसैदपुर, बेलसंड, हरलाखी, बेनीपट्टी, खजौली, बाबूबरही, बिस्फी, मधुबनी, राजनगर (एससी), झंझारपुर, फुलपरास, लौकहा, निर्मली, सुपौल, त्रिवेणीगंज (एससी), छातापुर, नरपतगंज, रानीगंज (एससी), फारबिसगंज, अररिया, जोकीहाट, सिकटी, बहादुरगंज, ठाकुरगंज, किशनगंज, कोचाधामन, अमौर, बैसी, कसबा, बनमनखी (एससी), रुपौली सीट के लिए चुनाव होंगे।

वोटरों को धमकाने वाले 53523 लोग पकड़े गए

एजेंसी, पटना

विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों के 45,324 बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान हुआ। पुलिस मुख्यालय की तरफ से बताया गया कि शांतिपूर्ण मतदान के लिए अर्धसैनिक बलों की 1500 कंपनियों ने कमान संभाली थी। बीसैप की 50 कंपनियों को भी लगाया गया था। जिला बल के 45 हजार अधिकारी और कर्मियों को लगाया गया था। 22000 गृहरक्षक बल, 19817 प्रशिक्षु सिपाही, 3671 चौकीदार/दफादार की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी।

सभी बूथों पर वेब कास्टिंग की व्यवस्था थी। नदियों, दियारा क्षेत्रों, पहाड़ी क्षेत्रों और पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अत्याधुनिक हथियार, बोट, घुड़सवार दस्ता, ड्रोन, सैटेलाइट फोन, श्वान दस्ता,

बम डिस्पोजल और अन्य संसाधनों की व्यवस्था की गई थी।

चुनाव प्रभावित करने वाले 4 लाख 8 हजार 459 असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसमें 53 हजार 523 ऐसे लोग थे जिनपर कमजोर वर्ग के मतदाताओं को डराने-धमकाने का आरोप था। बिहार से लगने वाली झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और नेपाल की सीमा पर 459 चेक पोस्ट बनाए गए। 48 घंटे पूर्व से इन पड़ोसी राज्यों और नेपाल से लगी सीमाओं को सील कर दिया गया था।

बिहार के वोटिंग उत्साह ने दुनिया का खींचा ध्यान, देश की राजनीति और आगामी चुनावों के समीकरण बदलने के संकेत

एजेंसी, पटना

भारत के राजनीतिक नक्शे पर हमेशा असर डालने वाला बिहार 2025 के पहले चरण के विधानसभा चुनाव में 64.66 प्रतिशत मतदान के साथ इतिहास रच गया । यह वृद्धि न केवल राज्य की राजनीति को हिला रही है बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी निगाहें इस पर टिकी हुई हैं।

इतिहास दोहरा रहा है अपने रंग, बदलेंगे राजनीतिक समीकरणः इतिहास में जब भी बिहार में 60 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ (1990, 1995 और 2000 में), तब राज्य की सत्ता या तो बदल गई या फिर खिचड़ी नतीजे सामने आए। इस बार भी पहली बार इतनी बड़ी भागीदारी ने एनडीए और महागठबंधन दोनों के लिए रणनीतिक चुनौती पैदा कर दी है। राजनीतिक विशेषज्ञ सुरेन्द्र अग्निहोत्री और प्रो. रविकांत पाठ मान रहे हैं कि बिहार के चुनाव परिणाम अन्य राज्यों में आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों की दिशा भी तय कर सकते हैं।

♦ भारत के राजनीतिक नक्शे पर असर डालने वाला है बिहार, 64.66 प्रतिशत मतदान के साथ रचा इतिहास

'सिक्रेट वोटर' की बिहार चुनाव में निर्णायक भूमिकाः महिला मतदाता लगातार बढ़ रही भागीदारी के साथ निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन्हें 'सिक्रेट वोटर' बताया है। एनडीए उम्मीद कर रही है कि महिला सशक्तिकरण योजनाओं और रोजगार पैकेज का लाभ उन्हें चुनावी मोर्चे पर मिलेगा। जबकि महागठबंधन युवाओं और महिलाओं को अपने पक्ष में करने के लिए रणनीति पर जोर दे रहा है।

राष्ट्रीय और वैश्विक राजनीति में भारत के लोकतंत्र की ताकतः राजनीतिक विश्लेषक लव कुमार मिश्र की मानें तो बढ़ा मतदान केवल बिहार का नहीं बल्कि पूरे देश की राजनीति पर असर डाल सकता है। एनडीए या महागठबंधन की बढ़त या पराजय राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक समीकरणों, नीति निर्माण और आगामी लोकसभा चुनाव पर असर डाल सकती है। वैश्विक स्तर पर यह दर्शाता है कि

भारत का लोकतंत्र जीवंत है और मतदाता सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

राजनीतिक रणनीति में नया मोड़, अन्य राज्यों के लिए साफ संदेशः बढ़ी हुई मतदान भागीदारी सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। चुनावी विशेषज्ञ मान रहे हैं कि बिहार की इस सक्रियता से राज्य और राष्ट्रीय नेताओं की रणनीतियों में बदलाव आएगा।

भारत के लोकतंत्र की मजबूती का उदाहरणः विश्व के राजनीतिक विश्लेषक भी इसे भारत की लोकतांत्रिक मजबूती का उदाहरण मान रहे हैं। यह दर्शाता है कि बड़े लोकतंत्र में मतदाता जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और युवाओं की भागीदारी न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक राजनीति को प्रभावित कर सकती है।

दूसरे चरण के मतदान से बिहार का प्रभाव पूरे देश पर, राजनीतिक दल चौकसः 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा। अगर यही उत्साह और भागीदारी बनी रहती है तो बिहार की जनता देश के राजनीतिक भविष्य और अन्य राज्यों की रणनीतियों को भी प्रभावित कर सकती है। राजनीतिक दल अब पूरे भारत में अपनी रणनीति को संशोधित करने के लिए चौकस हो गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

फिल्मी सुपरस्टार पवन सिंह पहुंचे नौतन, विधायक प्रत्याशी नारायण प्रसाद साह के समर्थन में युवाओं में उमड़ी जबरदस्त भीड़

बीएनएम @ नौतन। भोजपुरी फिल्म जगत के सुपरस्टार पवन सिंह शुक्रवार को नौतन विधानसभा क्षेत्र पहुँचे, जहाँ उन्होंने विधायक प्रत्याशी नारायण प्रसाद साह के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया। जैसे ही पवन सिंह मंच पर पहुँचे, युवाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। चारों ओर पवन सिंह जिंदाबाद और नारायण प्रसाद साह विजयी हों" के नारों से पूरा मैदान गूंज उठा पवन सिंह ने अपने भाषण में कहा कि नौतन की जनता विकास चाहती है और नारायण प्रसाद साह ही वह चेहरा हैं जो क्षेत्र में शिक्षा, रोजगार और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे बड़ी संख्या में मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करें कार्यक्रम के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन को सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने पड़े। कई जगहों पर युवाओं के बीच मंच के करीब पहुँचने को लेकर हल्की झड़पें और धक्का-मुक्की भी देखने को मिली, लेकिन पुलिस की सतर्कता से स्थिति जल्द ही नियंत्रण में आ गई जनसभा में स्थानीय नेताओं के साथ-साथ आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

आगामी 11 नवंबर को पूर्वी चंपारण जिला में होगा मतदान, तैयारी जोरो पर

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर आगामी 11 नवंबर को पूर्वी चंपारण जिला में मतदान होना है। सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, इसको लेकर जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के सौजन्य से जिला के सभी 12 विधानसभा क्षेत्रों के सभी गांवों, टोले, कस्बें सहित हाट, बाजार एवं नगर क्षेत्रों में सघन मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों से अपील की जा रही है कि "छोड़ो अपने सारे काम पहले चलो करें मतदान" यह अवसर प्रत्येक 5 साल में एक बार आता है इसमें कहीं चूक न हो जाए इसलिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है और बार-बार 11 नवंबर की तिथि याद दिलाई जा रही है। जिला के सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग निश्चित रूप से करें और पूर्वी चंपारण जिला को पूरे बिहार में मतदान प्रतिशत के आधार पर नंबर वन बनाएं।

दोन क्षेत्र के लोग मतदान बहिष्कार करने में अब तक अडिग

बीएनएम @ बगहा: आगामी बिहार विधानसभा चुनाव–2025 के मद्देनज़र रामनगर 02 विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दोन के सभी 22 गांवों के ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। मतदान में अब मात्र पांच दिन शेष हैं, लेकिन ग्रामीण अपने फैसले पर अडिग हैं। बीएलओ द्वारा मतदाता पर्ची वितरित करने के दौरान ग्रामीणों ने पर्ची भी वापस कर दी। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग मतदान न करने की बात स्पष्ट रूप से कह रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि आजादी के 78 वर्ष बाद भी क्षेत्र में सड़क, बिजली, पुल–पुलिया और मोबाइल नेटवर्क टावर जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। हर चुनाव में नेताओं द्वारा विकास का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन जीतने के बाद कोई ध्यान नहीं देता। इसी कारण इस बार ग्रामीण घर पर रहकर चुनाव का बहिष्कार करने की बात कह रहे हैं।

चार महीने रहते हैं क्वारंटाइम- भारतीय थारू कल्याण महासंघ की कोर कमेटी के सदस्य मोहन राव के अनुसार, दोन की आबादी करीब 45–48 हजार है, जिसमें 20–22 हजार मतदाता शामिल हैं। बरसात के दौरान लगभग चार महीने तक क्षेत्र बाकी दुनिया से कट जाता है, जिससे प्रखंड और जिला मुख्यालय से संपर्क टूट जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस दौरान वे "क्वारंटाइन" जैसी स्थिति में रहने को मजबूर हो जाते हैं।

अधिकारियों ने की समझाने का प्रयास- मामले की गंभीरता को देखते हुए रामनगर बीडीओ, सीओ और जीविका प्रखंड कोऑर्डिनेटर ने दोन पहुंचकर लोगों को मतदान के लिए समझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। बगहा एसपी ने भी अधिकारियों के साथ ग्रामीणों से संवाद किया, मगर विरोध जारी है।गर्दी दोन, नौरंगिया दोन, खैरहनी दोन, लक्ष्मीपुर दोन, गोबरहिया दोन, बेतहानी दोन सहित कुल 22 गांव इस बहिष्कार में शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक विकास कार्यों की पुख्ता गारंटी नहीं मिलेगी, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

वंदे मातरम् के 150 वर्षः दरभंगा के भूमि +2 मारवाड़ी उच्च विद्यालय में गूंजा राष्ट्रगीत

बीएनएम @ दरभंगाः देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की मिसाल बने दरभंगा के ऐतिहासिक भूमि +2 मारवाड़ी उच्च विद्यालय में शुक्रवार को वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विद्यालय प्रांगण राष्ट्रगीत की गूंज से भर उठा, जब प्रधानाचार्य डॉ. आरती कुमारी के नेतृत्व में शिक्षकों और छात्रों ने एक स्वर में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया।दरभंगा शहर के बीचों बीच स्थित यह विद्यालय कभी अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाना जाता था। आज भी, सीमित संसाधनों और जर्जर भवन के बावजूद, यह विद्यालय अपने शिक्षकों के समर्पण के बल पर शिक्षा की मशाल जलाए हुए है। प्रधानाचार्य डॉ. आरती कुमारी ने अपने प्रयासों से विद्यालय में अनुशासन, सुरक्षा और शैक्षणिक माहौल को नया रूप दिया है। उन्होंने यह सिद्ध किया है कि अगर नीयत मजबूत हो तो सीमित साधन भी बड़ी उपलब्धियां गढ़ सकते हैं।विद्यालय की संगीत शिक्षिका ज्योति कुमारी ने अपने मधुर स्वर से इस आयोजन को और विशेष बना दिया। हर सुबह उनके नेतृत्व में गाई जाने वाली सरस्वती वंदना ने न केवल विद्यालय परिसर, बल्कि आसपास के वातावरण को भी भक्ति और सकारात्मकता से भर दिया है। उनकी लगन और संगीत के प्रति निष्ठा ने छात्रों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास जगाया है।भवन की दीवारें भले जर्जर हों, पर यहां के शिक्षकों का उत्साह अटूट है। वे न केवल ज्ञान दे रहे हैं, बल्कि अपने कर्म से यह संदेश भी फैला रहे हैं कि शिक्षा सिर्फ कक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों का संस्कार भी है।दरभंगा का यह ऐतिहासिक विद्यालय आज इस बात का प्रतीक है कि कम सुविधाओं में भी समर्पण और निष्ठा से शिक्षा की ज्योति प्रज्वलित रखी जा सकती है।यहां का हर शिक्षक इस बात का उदाहरण है कि जब देशभक्ति, संगीत और शिक्षा एक साथ हों, तो सीमाएं भी प्रेरणा बन जाती हैं।जहां समर्पण और संगीत हो, वहां शिक्षा की ज्योति लौ कभी नहीं बुझती।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध सतर्कता है पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी- आर.एच रणधीर कुमार

- सतर्कता का अर्थ है- चौकन्ना रहना, ईमानदारी से कार्य करना और भ्रष्टाचार से दूर रहना।
- भ्रष्टाचार सिर्फ सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का शत्रु है।
- ईमानदारी और निष्ठा ही सच्ची देशभक्ति का प्रतीक हैं।

बीएनएम @ मोतिहारी : नीरज आनन्द

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय, मोतिहारी के द्वारा शुक्रवार को क्षेत्रीय प्रधान रणधीर कुमार के नेतृत्व में सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2025 के तहत् सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी थीम पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय कार्यालय से लेकर ओवर ब्रिज तक तथा ओवर ब्रिज से क्षेत्रीय कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए सतर्कता अभियान चलाकर मोतिहारी वासियों को जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम के शुभ अवसर पर क्षेत्रीय प्रधान रणधीर कुमार ने बताया गया कि इस वर्ष 18 अगस्त से 17 नवंबर तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में सामूहिक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। आर.एच रणधीर कुमार ने कहा कि सतर्कता का अर्थ है- चौकन्ना रहना, ईमानदारी से कार्य करना और भ्रष्टाचार से दूर रहना। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की भावना का प्रसार करना है। इसका अभिप्राय लोगों को यह समझाना है कि भ्रष्टाचार सिर्फ सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का शत्रु है। समाज के प्रत्येक नागरिकों, अधिकारियों और संगठनों को नैतिक आचरण को प्रोत्साहित करने और अनियमितताओं की रिपोर्ट करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि एक विकसित समाज व राष्ट्र का निर्माण हो सके। ईमानदारी और निष्ठा ही सच्ची देशभक्ति का प्रतीक हैं। यदि हम सभी अपने-अपने स्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ सजग रहें, तो भारत निश्चित रूप से एक स्वच्छ, पारदर्शी और विकसित राष्ट्र बन सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को वह बदलाव खुद में करना होगा, जो वे समाज में देखना चाहते हैं। जब हर नागरिक ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेगा, तभी एक न्यायपूर्ण और भ्रष्टाचार-मुक्त समाज का निर्माण संभव है। इस मौके पर रिजनल हेड रणधीर कुमार, एलडीएम राजेंद्र कुमार पाण्डेय, चीफ मैनेजर सत्येंद्र कुमार पाण्डेय, चीफ मैनेजर अभिनव आनन्द, गौतम कुमार, अविनाश कुमार, मार्केटिंग ऑफिसर अनल अविनाश सहित क्षेत्रीय कार्यालय के अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

एनडीए सरकार ने बदली बिहार की तस्वीर : रवि किशन

एनडीए सरकार के विकास कार्यों के बदौलत बिहार में विकास की नई तस्वीर

बीएनएम @ बगहा

सांसद रवि किशन

बगहा विधानसभा क्षेत्र के चौतरवा के पतिलार में शुक्रवार को आयोजित एक विशाल जनसभा में गोरखपुर के सांसद एवं भाजपा के स्टार प्रचारक रवि किशन तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने भाग लिया। दोनों नेताओं ने बगहा से भाजपा उम्मीदवार राम सिंह के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के कामों की बदौलत बिहार में विकास की नई तस्वीर उभरकर सामने आई है। आज सुदूर गांवों तक सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुँच रही हैं।अपने संबोधन में रवि किशन ने कहा कि गरीबों, महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने बताया कि बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन राशि 400 से बढ़ाकर 1100 की गई है, जिससे उन्हें आर्थिक सहारा मिल रहा है। इसके अलावा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 10,000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है ताकि वे छोटे व्यवसाय शुरू कर सकें। साथ ही जरूरतमंद परिवारों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख तक मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी राम सिंह की जीत से अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने में तेजी आएगी। उन्होंने जनता से 11 नवंबर को मतदान केंद्रों तक पहुंचने और क्रमांक संख्या दो पर कमल का बटन दबाने की अपील की।इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से सुधार हुए हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए का लक्ष्य है कि कोई गरीब भूखा न सोए, हर घर में बिजली हो और हर हाथ को काम मिले।सभा में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, युवा और महिला मतदाता मौजूद रहे। नेताओं ने विश्वास जताया कि जनता विकास के मुद्दों पर एनडीए के पक्ष में मतदान करेगी।

एलएनडी कॉलेज में आयोजित हुआ सामूहिक गायन कार्यक्रम

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज के स्वामी विवेकानंद सभागार में भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एनएसएस स्वयं सेवकों सहित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश को एकसूत्र में बांधने में वंदे मातरम् गीत का अतुलनीय योगदान है। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने वंदे मातरम् गीत के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाते हुए कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी ने आनंद मठ नामक पुस्तक में इस गीत को संकलित किया। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रविरंजन सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् गीत को 1896 में रविन्द्र ठाकुर टैगोर ने कलकत्ता के कांग्रेस अधिवेशन में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया। मंच संचालन पूर्व एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो अरविंद कुमार ने किया। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि सालभर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य एकता और बलिदान के मूल्यों को उजागर करने के लिए मातृभूमि के प्रति हमारे आभार को व्यक्त करना है। इस अवसर पर प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. के के कृष्णा, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. कुमारी मनीषा, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. बबीता कुमारी, डॉ. प्रिय रंजन झा, डॉ. मधुलिका, डॉ. कस्तूरी, प्रधान सहायक राजीव कुमार सहित सौरभ, आर्या, शिवानी, अदिति, विराज पांडेय, शैलेन्द्र कुमार, गुलशन कुमार व सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

भारत स्काउट और गाइड का मनाया गया स्थापना दिवस

- स्वच्छता, योग, बैंड वादन के साथ-साथ सभी स्कूलों में लगेगा चम्पा ग्रीन वाटिका।

बीएनएम @ मोतिहारी

स्काउट भवन मोतिहारी में भारत स्काउट और गाइड का स्थापना दिवस दो पाली में बड़े धूमधाम से जिला मुख्य आयुक्त रत्नेश्वरी शर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया। श्री शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत स्काउट और गाइड के माध्यम से जिले के सभी स्कूलों में स्वच्छता, योग और बैंड वादन का प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा सभी स्कूलों में चम्पा ग्रीन वाटिका लगाया जाएगा। एक नए तरह का कौशल विकास एवं स्टार्टअप शुरू किया जाएगा जिससे बच्चों के भविष्य का निर्माण होगा। प्रथम पाली के मुख्य अतिथि डीपीआरओ ज्ञानेश्वर प्रकाश ने मतदाता जागरूकता में भारत स्काउट और गाइड के सहयोग की सराहना की। वहीं प्रशासी पदाधिकारी सामाजिक सुरक्षा कोषांग संजय कुमार सिंह ने नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा एवं अन्य सभी तरह के कार्यक्रमों में जिला प्रशासन के सहयोग की सराहना की। दूसरी पाली के मुख्य अतिथि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी माध्यमिक शिक्षा एवं साक्षरता नित्यम गौरव ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान टीम ने श्री शर्मा के नेतृत्व में जिला में स्काउट को एक नई पहचान दिलाई है सभी स्कूलों में भारत स्काउट और गाइड का गठन किया जाएगा। गाइड कलाकारों ने नृत्य के साथ स्वागत गान एवं कजरी गायन की प्रस्तुति दी जिसे काफी सराहा गया। राजकिशोर पासवान जिला आयुक्त वयस्क संसाधन ने स्वागत किया तथा सभापति व्यास प्रसाद सिंह, शशिकला कुमारी, अजहर हुसैन अंसारी, रामेश्वर प्रसाद गुप्ता, दीपक कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, अभिजीत कुमार, सक्षम आर्य, अवनीश कुमार एवं सैकड़ों स्काउट एवं गाइड उपस्थित थे। अशोक कुमार वर्मा एवं अमरजीत कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। परिसर में जिला आयुक्त केशव कृष्ण द्वारा डीपीआरओ से वृक्ष लगाया गया। मंच का सफल संचालन शुभम् कुमार ने किया।

एसएसबी और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक मनाई वर्षगांठ

उत्साह पूर्वक वंदे मातरम के मानते स्कूली बच्चे

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे

बीएनएम @ सिमुलतला/जमुई

शुक्रवार को राष्ट्रभक्ति के रंग में सिमुलतला सराबोर रहा, जब राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाई गई। यह आयोजन सशस्त्र सीमा बल की 16वीं वाहिनी, जमुई के कमांडेंट अनिल कुमार पठानिया के दिशानिर्देश में 'बी' समवाय सिमुलतला द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर राधा मेमोरियल एकेडमी के बच्चों व शिक्षकों ने भी पूरे जोश और उमंग के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक स्वर में 'वंदे मातरम्' का गायन कर मातृभूमि के प्रति अपने समर्पण और गर्व की भावना प्रकट की।समवाय प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार वर्मन, विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं संरक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने इस ऐतिहासिक अवसर को राष्ट्रीय एकता, सम्मान और देशभक्ति का प्रतीक बताया।कमांडेंट ने अपने संदेश में कहा कि "वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की आत्मा और अस्मिता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी में देशप्रेम की भावना सशक्त होती है।"कार्यक्रम के अंत में स्कूली बच्चों को मिठाइयाँ बाँटी गईं और सभी ने एक स्वर में भारत माता की जयघोष किया।

चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त माइक्रो आब्जर्वर को दिया गया प्रशिक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा पूर्वी चंपारण जिला में स्वच्छ एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने को लेकर नियुक्त किए गए सभी 12 विधान सभाओं के प्रेक्षक गण की उपस्थिति में शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा मतदान के दिन मतदान केंद्रों के लिए प्रतिनियुक्त 485 माइक्रो आब्जर्वर को मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह के सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। मतदान के दिन माइक्रो आब्जर्वर मतदान केंद्र पर जिन गतिविधियों पर नजर रखना होता है उससे संबंधित उन्हें जानकारी दी गई। ज्ञातव्य है कि माइक्रो आब्जर्वर मतदान से संबंधित अपना प्रतिवेदन माननीय प्रेक्षक गण को उपलब्ध कराते हैं। इसको लेकर जिलाधिकारी के द्वारा स्पष्ट निर्देश प्रशिक्षण के दौरान दिया गया।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 71वीं वाहिनी एवं सभी सीमा चौकियों में सामूहिक गान

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी एवं इसके कार्यक्षेत्र के सभी सीमा चौकियों में भारत माता की वंदना के प्रतीक गीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सामूहिक गान का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में 71वीं वाहिनी के जवानों ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए एक साथ सामूहिक रूप से "वंदे मातरम्" का गायन किया। यह आयोजन न केवल देशभक्ति की भावना का प्रतीक बना बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के हृदय में राष्ट्र के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को और प्रबल कर गया। इस अवसर पर सभी जवानों ने एक स्वर में "वंदे मातरम्" का गायन किया, जिससे वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत हो उठा। सीमा की रक्षा करने वाले इन वीर सिपाहियों ने यह संदेश दिया कि राष्ट्रभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं, बल्कि यह प्रत्येक भारतीय के जीवन का मूल तत्व है। 71वीं वाहिनी के अधिकारियों ने कहा कि "वंदे मातरम्" का यह सामूहिक गायन केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतीक है। यह गीत माँ भारती के प्रति समर्पण, सम्मान और प्रेम का प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असंख्य देशभक्तों को प्रेरित किया। इस आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों, भारतीय सैनिक सदैव देश के प्रति अपने समर्पण को सर्वोपरि रखते हैं। "वंदे मातरम्" के सामूहिक स्वर ने सीमा पर तैनात प्रत्येक प्रहरी को यह स्मरण कराया कि उनका हर कदम भारत माता की सेवा में है I इस कार्यक्रम में कार्यक्षेत्र के विद्यालय के वृहद् स्तर पर बच्चों द्वारा भाग लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

प्रियंका गांधी फोटो खिंचवाकर चली जाती हैं, नीतीश कुमार ने सच में महिलाओं को सशक्त बनायाः संजय झा

बीएनएम @ पटना : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण की वोटिंग के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने बढ़े हुए मतदान प्रतिशत को एनडीए के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत बताया। उन्होंने दावा किया कि इस बार एनडीए रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज करने जा रहा है।महिलाओं के भरोसे एनडीए की जीतसंजय झा ने कहा कि जो भारी मतदान हुआ है, वह जनता के मन की भावना को दर्शाता है। उन्होंने याद दिलाया कि 2005 और 2010 में भी जब मतदान में बढ़ोतरी हुई थी, तब सत्ता परिवर्तन हुआ था और इस बार बढ़ा हुआ मतदान एनडीए के पक्ष में है।उन्होंने कहा, "महिलाएं बड़ी संख्या में घरों से निकलकर वोट कर रही हैं। नीतीश कुमार के काम पर उन्हें भरोसा है। मुख्यमंत्री साइकिल योजना, आरक्षण नीति और स्व-सहायता समूह जैसी योजनाओं ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाया है।"

प्रियंका गांधी पर सीधा हमला- कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के इस बयान पर कि "पिछले 20 सालों में महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया गया", संजय झा ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा की प्रियंका गांधी हैं कौन? वो बिहार आती हैं, फोटो खिंचवाकर चली जाती हैं। बिहार के बारे में उन्हें कुछ पता नहीं। ऐसे बयान कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएंगे।"उन्होंने कहा कि बिहार अब महिला सशक्तिकरण का उदाहरण बन चुका है, और प्रियंका गांधी का बयान न सिर्फ गलत है, बल्कि महिलाओं का अपमान भी है।

"नीतीश कुमार की नीतियों ने बदली बिहार की तस्वीर"- जदयू नेता ने कहा कि बिहार में जो मौन क्रांति आई है, वह नीतीश कुमार की सोच और नीतियों का नतीजा है।महिलाओं ने इस बार अपना मन बना लिया है। वे उन लोगों को वोट दे रही हैं जिन्होंने उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाया है," झा ने कहा।उन्होंने तंज किया कि अगर प्रियंका गांधी ऐसे ही बयान देती रहीं, तो कांग्रेस को जो एक-दो सीटें मिलने की उम्मीद थी, वह भी खत्म हो जाएगी।संजय झा ने बताया कि उन्हें पार्टी प्रत्याशियों से जो रिपोर्ट मिली है, उससे साफ है कि एनडीए बड़े अंतर से जीत की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, "बिहार की जनता ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया है।

हरियाणा से बिहार तक भाजपा कर रही है 'वोट चोरीः राहुल गाँधी

बीएनएम @ बांकाः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण के प्रचार में शुक्रवार को बांका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर "लोकतंत्र की चोरी" का आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी अब चुनावी मशीनरी को अपने कब्जे में लेने में जुटी है।राहुल गांधी ने रैली में कहा, "हरियाणा का चुनाव नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने चोरी किया है। मेरे पास इसके सबूत हैं। लेकिन न बीजेपी जवाब दे रही है, न चुनाव आयोग।" उन्होंने दावा किया कि हरियाणा की वोटर लिस्ट में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं — "22 जगह एक ही ब्राजील की महिला की तस्वीर लगी है, कई जगह एक ही व्यक्ति का नाम और फोटो सैकड़ों बार दर्ज है, और एक पते पर 500 से ज्यादा फर्जी वोटर पाए गए हैं।"कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता हरियाणा और उत्तर प्रदेश दोनों जगह वोट डालते हैं और अब वही "फॉर्मूला" बिहार में लागू किया जा रहा है। राहुल ने आरोप लगाया, "बीजेपी अब लोकतंत्र नहीं, बल्कि चुनावी तंत्र पर कब्जा करना चाहती है। यह देश के संविधान पर सीधा हमला है।"उन्होंने जनता से अपील की कि वे अपने वोट की रक्षा करें। "बिहार की जनता जागरूक है, वो बूथ पर खड़े होकर बीजेपी की हर 'वोट चोरी' की कोशिश को नाकाम करेगी," राहुल गांधी ने कहा।राहुल ने अपने संबोधन में उद्योगपति अडानी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, "बीजेपी गरीबों और युवाओं के लिए नहीं, बल्कि अमीरों के लिए काम करती है। अमित शाह कहते हैं बिहार में उद्योग के लिए जमीन नहीं है, लेकिन अडानी को एक रुपये में जमीन दे दी जाती है।"राहुल गांधी ने विश्वास जताया कि बिहार की जनता इस बार सच्चाई के साथ खड़ी होगी। "यह चुनाव जनता का होगा, न कि सत्ता में बैठे कुछ लोगों का," उन्होंने कहा।बांका की इस रैली में कांग्रेस उम्मीदवारों के समर्थन में भारी भीड़ उमड़ी, जहां राहुल गांधी के भाषण के दौरान 'संविधान बचाओ' और 'वोट चोरी बंद करो' के नारे गूंजते रहे।

जिले में सभी सीटों पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न, देर रात तक स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर राजनीतिक दलों का पहरा

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर की सभी 11 विधानसभा सीटों पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो गया। मतदान के बाद EVM को निर्धारित प्रक्रिया के तहत लॉक, सील और टैग किया गया। इसके बाद देर रात तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्ट्रॉन्ग रूम तक पहुंचाया गया। स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर पूरी रात राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी बनी रही। सभी दलों ने बाहर कैंप कर निगरानी की, ताकि EVM की सुरक्षा सुनिश्चित रहे।

मतदान समाप्त होते ही EVM लॉक और सीलिंग की प्रक्रियाः शाम छह बजे मतदान प्रक्रिया समाप्त होते ही सभी पोलिंग बूथों पर EVM लॉक करने की प्रक्रिया शुरू हुई। प्रिसाइडिंग ऑफिसर ने मॉक पोल का डेटा क्लियर कराया, फिर बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और VVPAT को लोगों के सामने लॉक किया गया। पूरी प्रक्रिया वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ और उपस्थित पोलिंग एजेंटों की मौजूदगी में संपन्न हुई। सील पर सभी एजेंटों के हस्ताक्षर भी लिए गए।

डिस्पैच सेंटर पर देर रात तक चहल-पहलः मतदान टीमें EVM के साथ डिस्पैच सेंटर पहुचीं। जहां बूथवार काउंटर पर रिसीविंग की व्यवस्था की गई थी। डिस्पैच सेंटर पर माहौल रात 11 बजे तक काफी सक्रिय रहा। सब कुछ व्यवस्थित तरीके से संचालित किया गया।

पहले चरण की बंपर वोटिंग से उत्साहित तेजस्वी यादव बोले – "बदलाव तय, अब आएगी नई युवा सरकार

बीएनएम @ पटना : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण की वोटिंग गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक कुल 64.46 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो 2020 के मुकाबले करीब 7.5 प्रतिशत अधिक है। पिछले चुनाव में पहले चरण में 56.9 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार खास बात यह रही कि ग्रामीण इलाकों में लोगों ने बढ़-चढ़कर वोट डाला और महिलाओं की भागीदारी भी रिकॉर्ड स्तर पर रही।पहले चरण की इस "बंपर वोटिंग" से महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव काफी उत्साहित नजर आए। उन्होंने मतदान के बाद एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक वीडियो जारी करते हुए बिहार की जनता का आभार जताया और कहा, "पहले चरण में आपने जिस तरह से बंपर वोटिंग की है, वह बताता है कि जनता बदलाव चाहती है। दूसरे चरण में भी इसी जोश के साथ मतदान कीजिए और कमाई, दवाई और सुनवाई वाली सरकार बनाईए।"तेजस्वी यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा कि बिहार ने 20 साल के अंधकार को मिटाने के लिए परिवर्तन की रोशनी जलाई है। उन्होंने कहा, "हर घर से नहीं, हर हृदय से यह आवाज़ उठ रही है कि अब नई युवा सरकार लाएंगे। हर बिहारवासी सीएम बनेगा – यानी चिंता मुक्त और चेंज मेकर।"तेजस्वी ने यह भी कहा कि इस बार बिहार में महागठबंधन के पक्ष में अभूतपूर्व लहर है। उन्होंने महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं के उत्साह की सराहना करते हुए लिखा कि यह सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि "महापरिवर्तन का पर्व" बन गया है। उनके मुताबिक, "20 वर्षों से बेरोजगारी, अपराध, गरीबी, अन्याय और भ्रष्टाचार से त्रस्त जनता अब बदलाव का मन बना चुकी है।

बिहार में ठंड की दस्तकः सुबह-शाम सिहरन, दिन में राहतभरी धूप

13 जिलों में तापमान घटा

ला-नीना का असर कमजोर होने के कारण तापमान में आई गिरावट

बीएनएम @ पटना

बिहार में नवंबर की शुरुआत के साथ ही ठंड की आहट महसूस होने लगी है। पछुआ हवाओं के असर से राज्य के कई जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। गुरुवार को पटना समेत 13 जिलों में अधिकतम तापमान घटा, जिससे सुबह और शाम हल्की सिहरन महसूस हुई, जबकि दिन में गुनगुनी धूप ने राहत दी। पटना का अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं मोतिहारी 34.5 डिग्री के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर बना।राजधानी पटना और आसपास के इलाकों में सुबह हल्का कोहरा छाया रहा, जबकि तराई क्षेत्रों में कोहरा कुछ घना था। पूर्णिया में दृश्यता घटकर करीब 1000 मीटर तक रह गई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। सुबह और शाम गुलाबी ठंड बनी रहेगी, जबकि दिन में धूप के कारण मौसम सुहावना रहेगा।मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल बिहार में ठंड हल्की और सुखद है। ला-नीना का असर कमजोर होने के कारण तापमान में तेज गिरावट अभी नहीं होगी। हालांकि रात के तापमान में धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री की कमी संभव है।मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह से बिहार में कड़ाके की ठंड शुरू हो जाएगी। उस समय न्यूनतम तापमान कई जगहों पर 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है, जबकि कुछ इलाकों में पारा 5 डिग्री तक लुढ़कने की संभावना है। फिलहाल बिहार में मौसम सुहाना और राहतभरा बना हुआ है, लेकिन आने वाले दिनों में ठिठुरन भरे मौसम की शुरुआत तय मानी जा रही है।

बिहार चुनाव : 121 में से 100 सीटें एनडीए की झोली में जाएंगी : चिराग पासवान

» ज्यादा वोट मतलब सरकार की वापसी : संजय झा

बीएनएम @ पटना

चिराग पासवान

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण की वोटिंग के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने एनडीए की बड़ी जीत का दावा किया है। पटना में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि, "जो लोग बदलाव का दावा कर रहे हैं, उन्हें मैं याद दिलाना चाहता हूं कि 2005 में जब एनडीए की सरकार बनी थी, तब 2010 में भी इसी तरह भारी मतदान हुआ था और हमारी सीटें और बढ़ी थीं।"चिराग ने कहा कि, "इस बार जनता का डबल इंजन सरकार पर भरोसा और मजबूत हुआ है। हमें पूरा यकीन है कि 121 सीटों में से कम से कम 100 सीटें एनडीए जीतने जा रही है। हमारी पार्टी 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और सभी पर माहौल सकारात्मक है। जनता ने विकास और स्थिरता के लिए वोट किया है।"वहीं, जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने भी अधिक मतदान को सरकार के पक्ष में बताया। उन्होंने कहा, "बिहार में यह परंपरा रही है कि जब ज्यादा मतदान होता है, तो सरकार की वापसी होती है। लोग सुरक्षा, शांति, समृद्धि और सुशासन के लिए वोट डालने निकले हैं। इस बार 2010 से बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे और नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए सरकार एक बार फिर बनेगी।"गुरुवार (6 नवंबर) को हुए पहले चरण में 64.46% मतदान दर्ज किया गया, जो 2020 के पहले चरण से करीब 7.5 प्रतिशत ज्यादा है। इस फेज में कुल 1,314 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है। अब दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा, जबकि सभी नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

बिहार में बंपर वोटिंगः एनडीए-इंडी एगठबंधन दोनों ने ठोकी जीत की दावेदारी

» जनता का मूड बना चर्चा का विषय

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण की वोटिंग ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। 18 जिलों की 121 सीटों पर करीब 64.7 फीसदी मतदान दर्ज किया गया, जो 2020 की तुलना में करीब 8 प्रतिशत ज्यादा है। इतना बड़ा उछाल केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जनता के मूड का मजबूत संकेत माना जा रहा है। अब सवाल यह है कि क्या यह जोश सत्ता की वापसी का इशारा है या फिर बदलाव की दस्तक?

एनडीए का दावा - विकास पर वोट मिला- जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने इसे "सत्ता की वापसी का संकेत" बताया। उन्होंने कहा, "जब भी बिहार में मतदान बढ़ा है, जनता ने स्थिरता को चुना है। इस बार लोग नीतीश कुमार के सुशासन और विकास पर भरोसा जता रहे हैं।"वहीं चिराग पासवान ने भी दावा किया कि एनडीए 121 में से 100 सीटें जीतने की स्थिति में है। उनके अनुसार, "जनता भ्रम पर नहीं, विकास पर वोट कर रही है।

महागठबंधन बोला - यह बदलाव की लहर है- महागठबंधन के सहयोगी और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा, "एनडीए बेवजह खुश हो रहा है। इस बार युवा, किसान और प्रवासी मजदूर सब महागठबंधन के साथ हैं। बिहार में परिवर्तन तय है।

तीसरे मोर्चे का स्वर - जन सुराज को 'जनता की बेचैनी' का समर्थनः तीसरे मोर्चे के रूप में उभर रहे जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा, "यह आज़ादी के बाद सबसे ज्यादा मतदान है, जो जनता की बेचैनी का संकेत है। बिहार अब विकल्प चाहता है। प्रवासी मजदूर इस बार एक्स-फैक्टर साबित होंगे। 14 नवंबर को बिहार इतिहास लिखेगा।"

इतिहास क्या कहता है?- बिहार की राजनीति में एक दिलचस्प पैटर्न रहा है—जब-जब मतदान में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है, सत्ता पलटी है। 2005, 2015 और 2020 में यही हुआ। इस बार 2025 के आंकड़े फिर वही इशारा दे रहे हैं।सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इस बंपर वोटिंग को अपने पक्ष में बता रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि इस बार बिहार की जनता ने अपना निर्णय बेहद मजबूती से दिया है। अब यह फैसला किसके हक में जाता है, यह मतगणना के दिन साफ होगा—लेकिन इतना तय है कि बिहार का जनादेश इस बार कुछ बड़ा कहने वाला है।

बिहार में विकास कार्यों की गति तेज, सरकार जनहित योजनाएं लागूः नीतीश कुमार

सीएम ने की हरनाटांड में चुनावी सभा, जदयू प्रत्याशी के पक्ष में मांगा समर्थन

बीएनएम @ बगहा

सभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

बगहा पुलिस जिला अंतर्गत वाल्मीकिनगर विधानसभा क्षेत्र के हरनाटांड हाईस्कूल मैदान में सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आगमन हुआ, जहाँ उन्होंने जदयू उम्मीदवार धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। निर्धारित समय के अनुसार मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और मंच से उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास कार्यों की गति तेजी से बढ़ी है और सरकार लगातार जनहित में योजनाएँ लागू कर रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि इस विकास यात्रा को जारी रखने के लिए जदयू के प्रत्याशी को जीत दिलाएं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में महागठबंधन पर हल्की टिप्पणी करते हुए कहा कि वर्ष 2005 से पहले की परिस्थितियाँ किसी से छिपी नहीं हैं। उन्होंने बताया कि उस समय राज्य विकास, शिक्षा तथा स्वास्थ्य व्यवस्था के मामले में पिछड़ा हुआ था, जिसे सरकार ने समय के साथ सुधारने का कार्य किया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सड़क, पुल-पुलिया, विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र और विभिन्न सामाजिक योजनाओं के विस्तार से लोगों को सीधा लाभ मिला है।सभा के दौरान विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वृद्धजन पेंशन, बालिका शिक्षा योजना, छात्र क्रेडिट कार्ड योजना और स्वास्थ्य बीमा योजना जैसी कई योजनाओं से आम जनता लाभान्वित हुई है। मुख्यमंत्री ने जनता से कहा कि आने वाले समय में भी विकास कार्यों को गति दी जाएगी।इस दौरान थारू समाज से आने वाले पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं पूर्व राजद जिला अध्यक्ष सुमंत कुमार ने मुख्यमंत्री के समक्ष जदयू की सदस्यता ग्रहण की। इससे स्थानीय क्षेत्र में सियासी चर्चा तेज हो गई है। सभा के अंत में मुख्यमंत्री ने लोगों से बड़ी संख्या में मतदान कर जदयू प्रत्याशी को विजयी बनाने की अपील की।

जीविका दीदियों ने संभाली कमान पहले मतदान, फिर जलपान का शंखनाद

बीएनएम @ जमुई

मतदाता को जागरूक करती जीविका दीदियों

आगामी बिहार विधानसभा आम चुनाव की तैयारियों के बीच, जमुई जिले में जीविका दीदियों द्वारा एक व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है। जिले के विभिन्न प्रखंडों में ये दीदियाँ सक्रिय रूप से लोगों को मतदान के प्रति प्रेरित कर रही हैं और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संदेश दे रही हैं।शुक्रवार को इस अभियान को एक नई गति देते हुए, श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम में एक भव्य मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी के निर्देशन में हुआ, जिसमें सैकड़ों की संख्या में जीविका दीदियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस अवसर पर बीपीएम जमुई सदर स्वीटी कुमारी, संचार प्रबंधक सुनीता कुमारी, क्षेत्रीय समन्वयक दिनेश कुमार दास, सामुदायिक समन्वयक राम प्रवेश कुमार, कमालउद्दीन और कंचन विश्वकर्मा सहित जीविका की टीम मौजूद थी, जिन्होंने दीदियों का मार्गदर्शन किया।जिले के सुदूर क्षेत्रों में भी जीविका की पहल प्रभावी ढंग से ज़मीन पर उतर रही है। इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड अंतर्गत पंचायत कोदवारिया में सरस्वती जीविका महिला ग्राम संगठन ने भी शुक्रवार को एक प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन किया। यहाँ मतदाता जागरूकता को समर्पित रंगोली कार्यक्रम, शपथ ग्रहण, मेहंदी प्रतियोगिता और एक रैली आयोजित की गई। इस दौरान दीदियों ने अपनी रंगोली के माध्यम से मतदान का सशक्त संदेश दिया और "पहले मतदान, फिर जलपान" का उद्घोष करते हुए ग्रामीणों से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर शामिल होने की भावुक अपील की।इसी क्रम में, खैरा प्रखंड के गोली पंचायत में जीवनधारा और राम ग्राम संगठन ने एकजुट होकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। दीदियों ने रैली निकालकर ग्रामीणों को मतदान के महत्व से अवगत कराया और 11 नवंबर को शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प लिया। जीविका दीदियों के इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक मतदाता को जागरूक कर मतदान केंद्र तक लाना और जमुई जिले में रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि लोकतंत्र की बुनियाद और अधिक सशक्त हो सके।

मैं राजद का सच्चा और ईमानदार सिपाही हूँः ओम प्रकाश खेड़िया

लोगों के साथ राजद नेता

बीएनएम @दरभंगा

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने के बाद राजद नेता ओम प्रकाश खेड़िया ने दरभंगा की जनता के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह चुनाव जनता के सहयोग, कार्यकर्ताओं की मेहनत और प्रशासन की निष्ठा से सफल हुआ है।"दरभंगा की जनता को दिल से धन्यवाद। मैं राजद का सच्चा और ईमानदार सिपाही हूँ और एक कार्यकर्ता के रूप में हमेशा पार्टी के लिए काम करता रहूंगा।"उन्होंने महागठबंधन के कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने दिन-रात मेहनत कर शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया।महागठबंधन के सभी कार्यकर्ताओं का विशेष आभार, जिन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ चुनाव प्रक्रिया में योगदान दिया।"खेड़िया ने प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने चुनाव के दौरान निष्पक्षता और शांति बनाए रखी।"प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों ने जिस तरह जिम्मेदारी से काम किया, वह सराहनीय है," उन्होंने कहा।अपने संदेश के अंत में खेड़िया ने कहा की आप सभी के सहयोग और समर्थन से लोकतंत्र का यह पर्व सफल हुआ। दरभंगा की जनता को नमन!"उनका यह संदेश न केवल धन्यवाद ज्ञापन था, बल्कि लोकतंत्र और जनता की भागीदारी के प्रति सम्मान का प्रतीक भी रहा।

वंदे मातरम् के 150 वर्षः भूमि सुधार विभाग में गूंजा राष्ट्रगीत, अधिकारियों ने किया सामूहिक गायन

बीएनएम @ पटना

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में सामूहिक गायन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह और सचिव जय सिंह के नेतृत्व में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया।अपर मुख्य सचिव श्री सिंह ने इस अवसर पर कहा कि 7 नवंबर 1875 को बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इसे 24 जनवरी 1950 को भारत का राष्ट्रगीत घोषित किया गया था।श्री सिंह ने कहा, "यह गीत हमें देशभक्ति, त्याग और एकता के भाव से जोड़ता है। इसे गाना, देश के प्रति अपने समर्पण की पुनः पुष्टि करना है।"वहीं, सचिव जय सिंह ने सभी कर्मचारियों से प्रेरित होकर देशभक्ति और सेवा भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में विभाग के सभी शाखा पदाधिकारी और कर्मी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरे परिसर में वंदे मातरम् की गूंज के साथ देशभक्ति का माहौल बन गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को किया गया जागरूक

बीएनएम @ जमुई

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता को जागरुक करते कलाकार

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, जिला प्रशासन ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कलात्मक मार्ग अपनाया है। सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के जिला स्वीप कोषांग के दिशा-निर्देशन में पंजीकृत नुक्कड़ नाटक दल स्पैन इंटरनेशनल, पटना, द्वारा 6 नवंबर 2025 को ज़िले के विभिन्न क्षेत्रों में जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस अभियान के तहत जमुई प्रखंड कार्यालय के पास, शास्त्री कॉलोनी चौक, सतगामा मोड़, गिद्धौर प्रखंड कार्यालय के पास, गिद्धौर बाजार, बरहट प्रखंड कार्यालय के पास, तथा सिकंदरा प्रखंड के महादेव सिमरिया, सिकंदरा बाजार और सिकंदरा प्रखंड कार्यालय के पास नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। नुक्कड़ नाटक दल द्वारा प्रस्तुत नाटक में मतदान के महत्व, नैतिक मतदान, आदर्श आचार संहिता का पालन और लोकप्रिय नारा "पहले मतदान, फिर जलपान" जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को मनोरंजक और रोचक ढंग से जनता के समक्ष रखा गया। कलाकारों ने गीत, संगीत, जीवंत संवाद और हास्य-प्रसंगों का सहारा लेते हुए यह संदेश दिया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता का मतदान करना अत्यंत आवश्यक है।नाटक के समापन पर कलाकारों ने उपस्थित लोगों से अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने की अपील की और सामूहिक रूप से मतदान की शपथ दिलाई गई। मतदाताओं को यह जानकारी दी गई कि जमुई जिले में 11 नवंबर को लोकतंत्र का महापर्व यानी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन है। जिला प्रशासन, जमुई, मतदान दिवस पर सभी मतदाताओं के लिए सुगमता और सुविधा हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कर रहा है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, विशेषकर महिलाओं ने भाग लिया और नाटक का आनंद लेते हुए मतदान करने का संकल्प लिया। स्वीप कोषांग के अनुसार, नुक्कड़ नाटक का यह आयोजन विशेष रूप से उन क्षेत्रों में किया जा रहा है, जहाँ पिछले चुनावों में मतदान का प्रतिशत कम रहा था, ताकि युवा, महिला और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा सके।

संपादकीय

अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है। उसने सोचा, गुरुजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्रों का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

गुम होते आदिवासियों के वैधानिक अधिकार

सुधीर पाल

कानून की जिस जमीन को आप सख्त समझ रहे हैं, उसकी मिट्टी भहरा रही है। आपके पैरों तले जमीन खोखली हो गयी है। संवैधानिक और वैधानिक ढांचे के भीतर आदिवासियों को भूमि, वन और आजीविका के विशिष्ट अधिकार प्राप्त हैं। पांचवीं अनुसूची, छठवीं अनुसूची, पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1996 (पेसा), वन अधिकार कानून 2006 और भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 आदिवासियों के विशिष्ट अधिकारों को मान्यता देते हैं। लेकिन पिछले पाँच वर्षों में संसाधन प्रबंधन से जुड़े क़ानूनों को "व्यापार की सुगमता" के नाम पर बदल दिया गया है। यह आदिवासियों के विशिष्ट संवैधानिक अधिकारों को गायब कर देने की सुनियोजित प्रक्रिया है। हालिया कानूनी सुधारों ने संसाधन प्रबंधन की दिशा को कॉरपोरेट फ्रेंडली बना दिया है।

2019 के बाद से केंद्र सरकार ने पर्यावरणीय, खनन और भूमि संबंधी आधे दर्जन क़ानूनों में तेजी से संशोधन किया। संशोधन का उद्देश्य निवेश को सुगम बनाना और अनुमति प्रक्रियाओं को सरल करना बताया गया। परंतु इसके पीछे का उद्देश्य वन भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर राज्य के नियंत्रण को और मजबूत करना रहा। नई दिल्ली स्थित आदिवासी अधिकारों की जन वकालत करने वाली संस्था लीगल रिसोर्स सेंटर ने आदिवासियों और वनाश्रित समुदायों के जीवन और संघर्ष को प्रभावित करने वाले कानूनों में आए बदलावों का अध्ययन किया है। अध्ययन बताता है कि हाल के कानूनी सुधार से आदिवासी अधिकारों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

अगस्त 2023 में भारतीय वन अधिनियम, 1927 में संशोधन किया गया। कुछ छोटे वन अपराधों के लिए कारावास की सजा समाप्त कर दी गयी और इसकी जगह आर्थिक जुर्माना का प्रावधान किया गया। वन अपराधों से होने वाली हानि की भरपाई के लिए पारिस्थितिक दंड जैसे खतरनाक प्रावधान जोड़े गये हैं। वन अधिकारियों के अधिकार बढ़ा दिए गये हैं। जुर्माना लगाने और उसकी वसूली के लिए वन अधिकारी को सक्षम घोषित किया गया है।

लीगल रिसोर्स सेंटर की संस्थापक और सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील सोमशा खन्ना बताती हैं कि खनन परियोजनाओं और वन भूमि के परिवर्तन (फॉरेस्ट डायवर्जन) में तेजी आई है। 2020 और 2021 में व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए वन और पर्यावरण स्वीकृतियों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए गये।

रिकॉर्ड स्तर पर वन भूमि का डायवर्जन

लीगल रिसोर्स सेंटर की रिपोर्ट 'राज्य के एजेंडे का रहस्य' में बताया गया कि 23 मार्च 2020 के पर्यावरण प्रभाव आंकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2020 का मसौदा नागरिक संगठनों के भारी विरोध और कर्नाटक तथा दिल्ली उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप की वजह से स्थगित हो गया। लेकिन वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने इसके कई प्रावधानों को विभिन्न परिपत्रों और दिशानिर्देशों के माध्यम से लागू कर दिया है। जन सुनवाई से संबंधित प्रावधानों को कमजोर करना एवं ईआईए प्रक्रिया के अनिवार्य अनुपालन को कमजोर करना था। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन (ईआईए) की प्रक्रिया को भी छोटा कर दिया गया। परियोजनाओं को एक्सप्रेस क्लीयरेंस की श्रेणी देने का प्रावधान किया गया। इन अनुमतियों में खनन, बांध, सड़क, रेल और औद्योगिक कॉरिडोर जैसी परियोजनाएँ शामिल थीं।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की 2023 की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 2018–2023 के बीच लगभग 6,68,400 हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हुआ। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार, यह संख्या ब्राजील के बाद दूसरे स्थान पर है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2020 और 2021 में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए जो अनुमतियाँ दीं, वे पिछले दशकों का रिकॉर्ड तोड़ स्तर थीं। एक स्वतंत्र विश्लेषण के अनुसार भारत में 2021–23 के बीच लगभग 4,380 वर्ग किलोमीटर (4,38,000 हेक्टेयर) की वृक्ष-आच्छादन वाली भूमि खो गई, जिसका अधिकांश हिस्सा प्राकृतिक वन था (94 %)।

कई अनुमति प्रक्रियाओं को ऑनलाइन पोर्टल पर केंद्रीकृत कर दिया गया। इससे स्थानीय ग्राम सभाओं की भागीदारी लगभग समाप्त हो गई। वन भूमि के गैर-वानिकी उपयोग पर निर्णय लेने में अब आदिवासी समुदायों की सहमति केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

वन संरक्षण अधिनियम का संशोधन

सबसे प्रमुख बदलाव, अगस्त 2023 में वन संरक्षण अधिनियम,1980 में हुआ संशोधन है। इसे अब वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 2023 कहा गया। संशोधन में एक्ट की प्रकृति बदल दी गई है। अब यह कानून केवल उन भूमि-खण्डों पर लागू होगा जो 1927 के वन अधिनियम या अन्य कानून के तहत घोषित/सूचित वनभूमि हों या 25 अक्टूबर 1980 के बाद सरकारी अभिलेख में वन के रूप में दर्ज हों। इसमें उन वन भूमियों को कानून से बाहर रखा गया जो अधिसूचित नहीं थीं या 1980 से पहले रिकार्ड में दर्ज नहीं थीं लेकिन आज भी वन-स्वरूप में हैं। वन संरक्षण अधिनियम के दायरे को सीमित कर दिया गया है। भूमि और वन भूमि तथा कुछ गतिविधियों को केंद्र सरकार से वन परिवर्तन मंजूरी प्राप्त करने की आवश्यकता से छूट दी गई है।

वन भूमि के गैर-वानिकी उपयोग के दायरे में कई नए प्रकल्प जोड़े गए हैं- जैसे रेलवे लाइनों और सड़कों के नजदीक गैर-वन गतिविधियाँ, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के 100 किलोमीटर तक महत्वपूर्ण रैखिक आधारभूत संरचना, वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा-संबंधित संरचना, निजी चिड़ियाघर और सफारी, इको-टूरिज्म, संपर्क लाइनों के जनहित कार्य आदि। संसद के स्थान पर केंद्र सरकार को दिशा निर्देश आदि की शक्ति प्रदान की गई।

अब सैद्धांतिक वन स्वीकृति (स्टेज-1) की वैधता 2 वर्षों से बढ़ाकर 5 वर्ष कर दी गई है। केंद्र सरकार यह तय कर सकती है कि विभिन्न रेखिक आधारभूत परियोजनाओं में अंतिम वन स्वीकृति (चरण-2) मिलने से पहले किन कार्यों को शुरू किया जा सकता है। इसके लिए कार्य करने की अनुमति दी जा सकती है। रक्षा, रणनीतिक, राष्ट्रीय महत्त्व, सार्वजनिक हित और आपातकालीन परियोजनाओं के लिए विशेष रूप से ऑफ़लाइन आवेदन की व्यवस्था की गई।

एमएमडीआर की प्राथमिक अनुसूची के भाग-डी और सातवीं अनुसूची में निर्दिष्ट महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के लिए प्रतिपूरक वनरोपण में विशेष व्यवस्था प्रदान की गई। प्रतिपूरक वनरोपण भूमि को अब वन विभाग के पक्ष में वन भूमि के रूप में स्थानांतरित और परिवर्तित किया जाएगा या प्रासंगिक वन कानून के तहत संरक्षित वन के रूप में अधिसूचित किया जाएगा।

बदलाव की यह प्रक्रिया सीधे-सीधे आदिवासी और वन-निवासी समुदायों के अधिकारों पर असर डालती है। गैर अधिसूचित वन-भूमियों को अब कानूनी सुरक्षा से बाहर कर दिया गया है। इससे वनाधिकार कानून 2006 के तहत सामुदायिक वन अधिकार तथा ग्राम सभा-आधारित वन प्रबंधन कमजोर की प्रक्रिया कमजोर हुई है।

सोमशा खन्ना कहती हैं कि इससे न केवल वन क़ानूनों की संरचना बदली, बल्कि चार दशकों में न्यायिक मिसालों द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों को भी समाप्त करने की कोशिश हुई। वन भूमि के गैर-वानिकी और वाणिज्यिक उपयोग से संबंधित निर्णय प्रक्रिया में भाग लेना आदिवासी और वन निवासी समुदायों का सबसे मूल अधिकार है। इन संशोधनों से इस मूल अधिकार पर सबसे अधिक चोट पहुँची है।

कोयला धारक क्षेत्र में वनाधिकार एवं पेसा की अनदेखी : कोयला धारक (अर्जन और विकास) (संशोधन) विधेयक, 2024 (मसौदा) में नई धारा 13A का प्रस्ताव है। इस अधिनियम के तहत भूमि अधिग्रहण के समय, प्रभावित व्यक्तियों को मुआवजा, पुनर्वास और पुनर्स्थापन प्रदान किया जाएगा। यह अधिग्रहण भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुसूचियों I, II एवं III के अनुसार तथा समय-समय पर सरकार द्वारा जारी नियमों/आदेशों के अनुसार होगा।

इस मसौदे में भी वन कानून, वन अधिकार कानून और अन्य सुरक्षात्मक कानूनों के अनिवार्य पालन का कोई उल्लेख नहीं है। मसौदा सभी राज्य सरकारों, विभिन्न मंत्रालयों और जनता के समक्ष टिप्पणियों के लिए अभी भी लंबित है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

द्वेष बुद्धि को हम द्वेष से नहीं मिटा सकते, प्रेम की शक्ति ही उसे मिटा सकती है। - विनोबा भावे

फूल चुन कर एकत्र करने के लिए मत ठहरो। आगे बढ़े चलो, तुम्हारे पथ में फूल निरंतर खिलते रहेंगे। - रवींद्रनाथ टाकुर

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, मार्ग शीर्ष कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पूर्व तिथि तीज, शनिवार, मृगशिरा नक्षत्र, शिशिर योगे, विवकरणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 13/42 श्री गणेश चौथ व्रत संदेदेव राशि, 7/45 तत्पश्चात दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनी-मानी, शासक तथा कपड़े तथा किराने का उत्तम व्यापारी होगा।

मेष राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद हो, कार्यकुशलता से संतोष होगा, ध्यान दें।

वृष राशि :- शारीरिक क्षमता में कमी, उदासीनता, विरोधी तत्वों से बचिये, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखें, दूसरों के कार्यों से परेशानी, खिन्नता अवश्य बनेगी।

कर्क राशि :- मन में तनाव, धन और सामर्थ्य फलप्रद होगा तथा कार्यगति मन विक्षुब्ध रखेगी।

सिंह राशि :- दूसरों के कार्यों में समय नष्ट न करें, स्त्री-वर्ग से तनाव तथा क्लेश अवश्य होगा।

कन्या राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति, अग्नि-चोटादि का भय, आशानुकूल सफलता मिलेगी।

तुला राशि :- प्रयत्न सफल हों, मित्र-वर्ग से तनाव, मानसिक अशांति, विभ्रम बेचैनी बनेगी।

वृश्चिक राशि :- चिन्तायें कम हों, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, धन-लाभ, सफलता के साधन जुटायें।

धनु राशि :- समय व्यर्थ जायेगा, कार्य में विलम्ब व बाधा, इष्ट-मित्रों से हानि होगी, धैर्य रखें।

मकर राशि :- अधिकारियों से तनाव, क्लेश, मान-प्रतिष्ठा बाल-बाल बचें, ध्यान रखें।

कुंभ राशि :- अनायास विभ्रम, मानसिक बेचैनी, उद्विग्नता मन को कष्टप्रद रखेगी।

मीन राशि :- धन और शक्ति व्यर्थ जायेगी, मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व में वृद्धि के योग बनेंगे।

बिहार में फैसला बेटे-बेटियों की प्रतिष्ठा का

कांतिलाल मांडोत

राजनिति में युवा भागीदारी के बढ़ते सरोकारों और गहरे असर का अहसास सिर्फ बिहार के महागठबंधन के नारे से नही होता।पहले चरण का प्रसार गत दिन थम गया और अब चुनाव होगा।कांग्रेस की महासचिव और स्टार प्रचारक प्रियंका वाड्रा ने समस्तीपुर में दो किमी का रोड़ शो किया।लेकिन कांग्रेस की यह स्टार प्रचारक और भाई राहुल गांधी की बिहार में चुनाव प्रचार के बाद लोकश्रुति यह है कि बदलाव पर लोगो की गहरी नजर गढी हुई है।क्योंकि जनता जनार्दन पर प्रभाव इसलिए नही पड़ेगा कि कांग्रेस करीब तीस साल से खोई राजनीति के लिये संघर्ष कर रही है।प्रियंका को सक्रिय राजनिति में उतारने का मकसद कांग्रेसियों को यह अनुमान है कि बिहार में चुनावी माहौल बदलेगा।नई रोशनी के लिये राहुल और प्रियंका चुनाव प्रचार में लगे हुए है।प्रियंका राहुल की जोड़ी अपनी पार्टी कांग्रेस की पारंपरिक और पुश्तैनी क्षेत्र की किलेबंदी कर इसे सुरक्षित बनाने के लिये रोड़ शो करना और उमीदवारों के लिए वोट मांगने की प्रक्रिया चालू है।वह कितनी कामयाब होगी,वह तो चुनाव परिणाम बताएंगे पर प्रियंका और राहुल को मशक्कत भरी सक्रियता और उनकी सभाओं में आ रहे पार्टी कार्यकर्ताओं से विपक्ष को एक बैचेनी इस बात की है कि कही जुठ घर न कर दे।क्योंकि लालची और लोभ का भूत सवार होने के बाद कुछ सूझता नही है।क्योकि गृहमंत्री ने दरभंगा और मोतिहारी की सभा मे कहा कि गलत वोट दिया तो फिर बिहार में हत्या,लूट,अपहरण आदि सामान्य हो जाएंगे।उधर,तेजस्वी यादव ने पहले चरण के मतदान के पूर्व हवा हवाई वादे कर मतदाताओ को रिझाने की कोशिश की गई है।लेकिन जनता लालू और तेजस्वी का कम ही भरोसा करती है।क्योंकि उनके शासनकाल में लोगो ने वो सबकुछ देखा है,जिस्की कल्पना तक नही की जा सकती है।लखीसराय में आयोजित सभा मे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वे बिहार को जंगलराज और गुंडाराज की वापसी नही होने देंगे।कांग्रेस अब विस्मृत हो गई है।वही लालू प्रसाद का जंगलराज आज भी लोगो के जेहन में है।बिहार में कांग्रेस 19 सीटो पर काबिज है।कांग्रेस के स्टार प्रचारक सतारूढ़ को निशाना बनाते हुए कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।वही जनता यह कहकर पल्ला झाड़ रही है कि कांग्रेस और राजद के शासन में योग त्राहिमाम थे।बिहार के कर्णधार प्रियंका और राहुल अपने संयुक्त अभियान और उपस्थिति से अनेक कांग्रेस तेजस्वी महागठबंधन विरोधी चर्चाओं और कयासों का विराम लगा दिए है।बिहार में एक दूसरे दल कटाक्ष कर रहे है।लालू और कांग्रेस ने कई वर्षो तक बिहार में शासन किया है।लेकिन गरीबी उन्मूलन के प्रयास मूल भावनाओ से खिसकते गए।बीस साल में बिहार में परिवर्तन हुआ है।जहां पर मतदाताओ को सुकून मिलता है।प्रचार के दौरान लोगो की किरकिरी बने बेटे बेटियों की प्रतिष्ठा दांव पर देखी जा सकती है।दोनो भाई बहन आक्रामक प्रचार कर रहे है ।राहुल और प्रियंका दोनो भाई बहन का सीधा हमला मोदी पर है।जोकि कांग्रेस के बार बार हमले और वोट चोरी का मुद्दा कई बार उठाने से सत्य को छिपाया नही जा सकता है।क्योंकि जिस मुद्दे को कांग्रेस ने हवा दी है वह कांग्रेस को फिर से सत्ता में आने की पैतरेबाजी है,हकीकत कुछ ओर है।क्योंकि कांग्रेस के पास जुठ के सिवा कोई मार्ग नही है।कई वर्षो से घेरते आ रही कांग्रेस का जनाधार खत्म हो चुका है।बिहार तो क्या देश मे कांग्रेस का कोई भरोसा नही करता है।इसलिए तेजस्वी और कांग्रेस ने महागठबंधन के गठजोड़ किया है।विपक्षी दलों ने बिहार में लोगो पर जितना अत्याचार किया है उतना खामियाजा भुगतना ही पड़ेगा।अब कांग्रेस और तेजस्वी दोनो नेता नीतीश की काट कर नही सकते है।क्योंकि बिहार में विकास हुआ है।महागठबंधन की घोषणा कागज का पुलिंदा है जो अभी हाल ही में घोषित की है।क्योंकि कांग्रेस का चुनाव क्षेत्र बदहाल है। बिहार विधानसभा चुनाव में राजद के साथ कांग्रेस का न तो लगाव है और न ही राजनैतिक रिश्ते है।क्योंकि ये दोनों दल बिहार में नीतीश कुमार की सरकार हटाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे है।प्रियंका राहुल की पहल और महागठबंधन के लाभों तथा सीटों की गहन समीक्षा करने के बाद भी पार्टी के अंदर आशा और निराशा की उम्मीदे हिलोरे मार रही है।बिहार में बेटे बेटी बनाम बिहार चुनाव का मुद्दा मतदाताओ के सामने सवालिया निशान छोड़ रहा है।लेकिन कांग्रेस के पास इसके सिवा कोई रास्ता नही है। बिहार जैसे राज्य में जहाँ मिथिला-छपरा-सारण-और अन्य जिलों में बेहद लोक-संवेदनशील सामाजिक एवं जातिगत मुद्दे हैं,वही, राहुल-प्रियंका की छवि अक्सर बाहर से आने वाले नेता की रही है, जो स्थानीय समस्याओं में गहराई से समाहित न हो सके हों।सेना और मोदी पर हमलावर प्रियंका ने अडानी अम्बानी के नाम पर भाजपा को घेरा।कांग्रेस के पास अडानी,अम्बानी और मोदी के सिवा दूसरा कोई विकल्प नही है।

सड़कों पर बिखर रहे मानव के चिथड़े मानव खून से लाल होती सड़कें चिंतनीय

नरेन्द्र भारती

देश में प्रतिदिन हो रहे सड़क हादसों के कारण मानव खून से सड़कें लाल हो रही है सड़कों पर मानव के चिथडे+ बिखर रहे हैं यह बहुत ही चिंतनीय है। कयोंकि सड़कों पर मौत रेंग रही है लाशों के अंबार लग रहे हैं।3 नवंबर 2025 को राजस्थान के जयपुर व तेलंगाना के रंगारेडडी में बहुत ही भीषण हादसों में काफी लोगों की दर्दनाक मौतें होने से रौगटें खडे हो जाते हैं।जयपुर में तेज रफतार डंपर ने करीब एक दर्जन गाड़ियों को टक्कर मारी जिसमें करीब तेरह लोगों की मौत हो गई और दस लोग घायल हो गए। तेलंगाना के रंगारेडडी में एक सड़क हादसे में 24 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।मिटटी से भरे डंपर ने राज्य परिवहन की बस को टक्कर मार दी डंपर की मिटटी बस के अंदर यात्रियों पर गिर गई और यात्री दब गए बस में 70 यात्री सवार थे बस में जयादातर कालेज के छात्र थे। यह बस तंदूर से हैदराबाद जा रही थी। बेशक प्रतिवर्ष सड़क हादसों को रोकने व सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है।देश में प्रतिदिन इतने भीषण व दर्दनाक व खौफनाक सड़क हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नींद सो रहे हैं।देश के प्रत्येक राज्यों तथा महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछ रही है बेकसूर लोग बेमौत मारे जा रहे है।24 अक्तूबर 2025 की अल सुबह आंध्रप्रदेश के कुरनुल जिला के चिन्नातेकुर के पास एक प्राईवेट बस व दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई जिससे 22 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई बस में 44 यात्री सवार थे।18 यात्री जीवित हैं। हादसे में शव पूरी तरह जल चुके हैं उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया हे। 14 अक्तूबर 2025 को भी राजस्थान के जैसलमेर में एक बस को आग लग जाने से 22 यात्री बेमौत मारे गए थे। देश की सड़कां पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं।लाशों के अंबार लग रहे है। आंकडो के अनुसार 8 जुलाई 2019 सोमबार को उत्तर प्रदेश के आगरा के यमुना एक्सप्रेस वे पर एक भीषण सडक हादसे में 29 लोग की दर्दनाक मौत हो गइ थी और 23 घायल हो गए थे।यह हादसा तक हुआ जब लोग गहन निंद्रां में सोए थे।यह बस एक नाले में गिरी थी ।यह बस लखनउ से दिल्ली आ रही थी।यह हादसा सुबह चार बजे के करीब हुआ था।सफर कर रहे लोगों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा कि यह उनका आखिरी सफर होगा।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है।इस शाप से कब मुक्ति मिलेगी यह एक यक्ष प्रश्न है। लापरवाहियों व जानबूझकर हादसे हो रहे है।एक चालक की गलती से लोगों को मौत नसीब हो रही है।आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर है। हिमाचल के बंजार में भी एक बस हादसे में 45 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।अभी इस हादसे की स्याही भी नहीं सूखी थी कि1 जुलाई 2019 को जम्मू-कश्मीर के किशतवाड़ जिले में एक मिनी बस के खडड में गिरने से 35 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।28 सीटर बस में 52 लोग सवार थे।पल भर में लाशों में तब्दील हो गए।लोगों की अकाल मौत हो गई थी।गत वर्ष1 जुलाई 2018 को एक ऐसा ही बस हादसा उतराखंड में घटित हुआ था।उतराखंड के गढवाल मंडल के पौडी जिले के नैनीडंडा विकास खंड के पिपली भौन मोटर मार्ग पर धूमाकोट के नजदीक एक यात्रियों से भरी एक बस के 70 फुट गहरी खाई में गिर जाने से 50 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी बस में मरने वालों में 22 पुरुष तथा 17 महिलाए और आठ बच्चे शामिल थे।ऐसा ही एक भीषण हादसा पशिचिमी बंगाल में हुआ जहां 29 जनवरी 2018 को पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के इस्माइलपुर में एक सरकारी बस के नदी में गिरने से 36 यात्रियों की मौत हो गई। यह बस नदी पर बनी रेलिग तोड़कर नदी में जा गिरी।9 यात्रियों ने तैर कर अपनी जान बचा ली तथा 9 लोग घायल हो गए थे।बस में 60 यात्री सफर कर रहे थे।यह दर्दनाक हादसा सुबह छह बजे के करीब हुआ। बेशक प्रतिवर्ष जनवरी माह में पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। क्योकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे हैं 2025 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।दस महिनों में लाखो लोग मारे जा चुके है। यह आंकड़ा बडे पैमाने पर बढता जा रहा है इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा।हर रोज सड़क हादसों में मौते हो रही है।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है क्योंकि धंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें। सरकारों को लोगों को यातयात नियमों से संबधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए।आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता।पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा।आज बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है क्योकि आज फर्जी लाईसैसों के बलबूते बहुत से वाहन चालक वाहन चलाते है यदि सही तरीके से पूरी औपचारिकताएं निभा कर लाईसैंस जारी किए जाएं तो अधिकांश लोग फेल हो जाएगें कुछ लोग अपनी पहुंच के कारण लाईसैंस बनवा लेते है भले ही उन्हे गाड़ियों का ज्ञान तक नहीं होता इस बाबत प्रशासन को सख्ती बरतनी चाहिए कि चाहे कितनी भी बड़ी पहुंच वाला हो पूरें नियमों को पूरा करने के बाबजूद ही लाईसैंस जारी किया जाए। अगर ऐसा किया जाता है तो निश्चित रुप से दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है।आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। सरकार द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं।जयादातर हादसे ओवर स्पीड के कारण हो रहे है। बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं।

तो भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी की भेंट चढ़ गया उत्तराखंड!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड स्थापना के रजत जयंती वर्ष में विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान खटीमा के कांग्रेस विधायक भुवन कापड़ी ने सदन के भीतर कहा है कि विधायक निधि से 15 फीसदी कमीशन नोकरशाहो द्वारा काटी जा रही है। भुवन कापड़ी के इस आरोप से अब उत्तराखंड की राजनीति गरमा गई है।वही अप्रैल 2022 से सितंबर 2025 तक 1421 विजिलेंस-संबंधित शिकायतों पर की गई कार्रवाई के तहत 79 ट्रैप ऑपरेशन कर116 लोगों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ कर उनकी गिरफ्तारी की गई है।जो राज्य में चरम पर पहुंचे भ्रष्टाचार का प्रमाण है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह का कहना है कि अगर साथी विधायक ने विधायक निधि में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं तो उसकी भी जांच होनी चाहिए, लेकिन जो भी विधायक इसमें लिप्त है तो फिर उनको भी अपने गिरेबान में झांकने की जरूरत है।वही खानपुर से निर्दलीय विधायक उमेश कुमार ने भी विधायक निधि से 15 प्रतिशत कमीशन काटने का मुद्दा उठाते हुए सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सदन में इस पर आत्मचिंतन करना होगा, विधायक निधि में जाने वाले कमीशन को खत्म होगा।उन्होंने कहा कि हम लोग भी भ्रष्टाचार को जन्म दे रहे हैं।सदन में भाषण देने से राज्य को सुधार नहीं सकते।उन्होंने कहा कि 25 सालों में ब्लॉक से सचिवालय तक भ्रष्टाचार अपनी जड़ें जमा चुका है। ब्लॉक का सचिव हो, वीडीओ हो, सीडीओ हो, उनके बीच में जो अधिकारियों की चैन हो, जब तक विधायक निधि से किए गए कामों का 15 फीसदी कमीशन का भुगतान नहीं होता, तब तक ठेकेदार का भुगतान नहीं

होता है।विधायक निधि में 25-30 फीसदी पहले ही चला जाता है।15 फीसदी अधिकारी ले जाता है।10-15 फीसदी ठेकेदार कमा लेगा तो 30-40 फीसदी में क्या काम की उम्मीद कर सकते हैं।

उत्तराखंड राज्य गठन के 25 साल पूरे होने पर नौ नवंबर को रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। इन 25 सालो में राज्य ने तेजी से औद्योगिक विकास किया है।मुख्य रूप से कांग्रेस की नारायण दत्त तिवारी सरकार के समय हरिद्वार व उधमसिंहनगर जिलों समेत कई अन्य जिलों में भी राज्य की जमीन पर 80 हजार उद्योगों की बुनियाद पड़ी। इससे पूंजी निवेश में 25 प्रतिशत बढ़ोतरी होने के साथ ही 10 गुना रोजगार भी बढ़ा था।लेकिन इन ओद्योगिक को दिए गए विशेष पैकेज की अवधि समाप्त होते ही इन उद्योगों में से कुछ बंद हो गए,कुछ पलायन कर गए।

राज्य गठन से पहले उत्तराखंड में औद्योगिक निवेश के नाम पर नाम मात्र के बड़े उद्योग स्थापित थे। वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम औद्योगिक इकाइयों की संख्या भी 14163 तक पहुंच गई थी।कांग्रेस की तिवारी सरकार के समय इन उद्योगों में कुल 700 करोड़ का पूंजी निवेश और 38,500 लोगों को रोजगार मिला था। नवोदित राज्य उत्तराखंड ने बाल्य काल से ही औद्योगिक विकास को प्राथमिकता दी। वर्ष 2003 में विशेष औद्योगिक पैकेज की सौगात मिलने का उत्तराखंड ने पूरा लाभ उठाया था।राज्य गठन के तीन साल में उत्तराखंड ने औद्योगिक विकास में रफ्तार पकड़ी और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश का डेस्टिनेशन के रूप में उभरा। वर्तमान में राज्य की जीडीपी में विनिर्माण क्षेत्र का एक तिहाई योगदान है।वही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निवेश को आसान बनाने के साथ निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए औद्योगिक नीतियों के संशोधन कर 30 नई नीतियों को लागू किया।राज्य निर्माण के बाद पहली काम चलाऊ सरकार भाजपा की थी, जो चौदह महीने चली और इन 14 महीनों में भाजपा ने दो दो मुख्यमंत्री बना दिए और जो काम उस काम चलाऊ सरकार के जिम्मे थे, वो पूरे नहीं किए गए, जिससे नाराज जनता ने उनको बेदखल किया और पहली निर्वाचित सरकार कांग्रेस की बनी और पंडित नारायण दत्त तिवारी ने पांच वर्षों में प्रदेश की मजबूत आधारशिला रखी। उस समय के नवोदित प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क परिवहन, उद्योग जैसे क्षेत्रों में जो काम किए उसी से प्रदेश की एक मजबूत आधारशिला पड़ी और आज पच्चीस सालों की यात्रा में जो भी इमारत विकास की खड़ी हुई, उसकी आधारशिला कांग्रेस के प्रथम शासनकाल में ही रखी गई।जिसमे सिडकुल, दून विश्विद्यालय, पेट्रोलियम विश्विद्यालय, गोरखा आरक्षण जैसे अनेक ऐतिहासिक कार्य कांग्रेस शासनकाल में ही हुए। उत्तराखंड में आज जिस भू कानून की बात हो रही है, उससे बेहतर और मजबूत कानून तिवारी सरकार के जमाने में कांग्रेस सरकार ने बना दिया था, जिसे भाजपा की सरकारों ने नष्ट भ्रष्ट कर दिया और पूरे पहाड़ों की जमीनें बाहरी लोगों द्वारा खरीद ली गईं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हांगकांग सिक्सेस

रोबिन उथप्पा की तूफ़ानी पारी, भारत ने पाकिस्तान को 2 रन से हराया

एजेंसी, हांगकांग

टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर शुक्रवार को खेले गए हांगकांग सिक्सेस 2025 के मुकाबले में भारत ने रोमांचक अंदाज़ में पाकिस्तान को 2 रन से हराया। बारिश से बाधित इस पूल 'सी' मैच का परिणाम डकवर्थ लुईस (डीएलएस) पद्धति से तय हुआ। दिन का आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। बारिश के कारण मैच को छोटा किया गया, लेकिन भारतीय टीम ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए भारत ने 6 ओवर में 4 विकेट पर 86 रन बनाए। रोबिन उथप्पा ने सिर्फ़ 11 गेंदों में 28 रनों की तेज़तर्रार पारी खेली, जबकि भरत चिपली ने 13 गेंदों में 24 रन जोड़े। कप्तान दिनेश कार्तिक ने अंत में 6 गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाकर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। पाकिस्तान ने जवाब में तेज़ शुरुआत की और 3 ओवर में 1 विकेट पर 41 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने मैच रोक दिया। खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका और डीएलएस गणना के अनुसार पाकिस्तान निर्धारित लक्ष्य से 2 रन पीछे रह गया। भारत के लिए स्टुअर्ट बिन्नी ने शानदार गेंदबाज़ी की, उन्होंने सिर्फ़ 7 रन देकर 1 विकेट हासिल किया और अंत में वही निर्णायक साबित हुए।

अन्य मुकाबले:

पूल बी: ऑस्ट्रेलिया ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा। 88 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ़ 3 ओवर में जीत हासिल कर ली। जैक वुड ने 11 गेंदों पर 55 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि निक हॉब्सन 5 गेंदों पर 26 रन बनाकर नाबाद रहे।

पूल ए: अफगानिस्तान ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दक्षिण अफ्रीका को 49 रनों से हराया। कप्तान गुलबदिन नैब ने 12 गेंदों पर 50 रन ठोके, जबकि करीम जनत ने 11 गेंदों पर 46 रन जोड़े। अफगानिस्तान ने 6 ओवर में 148/2 का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 99/2 ही बना सका।

पूल डी: बांग्लादेश ने श्रीलंका को 14 रनों से हराकर अपनी जीत दर्ज की। कप्तान अकबर अली ने 9 गेंदों पर 32 रन बनाए, वहीं मोसाद्देक हुसैन ने 3 विकेट लेकर (3/20) श्रीलंका को 61/6 पर रोक दिया। श्रीलंका की यह लगातार दूसरी हार रही।

विश्व विजेता बनकर लौटीं सिलीगुड़ी की बेटी ऋचा घोष का ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत

एजेंसी, सिलीगुड़ी

विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य ऋचा घोष शुक्रवार दोपहर नई दिल्ली से अपने गृह शहर सिलीगुड़ी लौटीं। बागडोर एयरपोर्ट से ऋचा के बाहर निकलते ही माहौल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। बड़ी संख्या में पहुंचे प्रशंसकों ने अपनी चहेती क्रिकेटर ऋचा को फूल मालाओं, उत्साह भरे नारों और ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट पर ऋचा के पिता मानवेंद्र घोष, सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव, डिप्टी मेयर रंजन सरकार, सिलीगुड़ी महकमा परिषद के सभाधिपति अरुण घोष सहित कई गणमान्य लोगों ने ऋचा का स्वागत किया। लोगों में ऋचा के साथ तस्वीरें खिंचवाने और इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने की होड़ सी लगी रही। एयरपोर्ट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। ऋचा के टर्मिनल से बाहर निकलते ही उन्हें विशेष गाड़ी में बैठाया गया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ऋचा की गाड़ी रोड शो के माध्यम से सिलीगुड़ी की और रवाना हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाघाजतिन एथलेटिक क्लब में ऋचा का समारोह पूर्वक स्वागत किया जाएगा। क्लब से ऋचा के घर तक रेड कारपेट बिछाया गया है।

महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी पहुंची चंडीगढ़, हुआ स्वागत

चंडीगढ़। महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की खिलाड़ी हरलीन देओल और अमनजोत कौर का शुक्रवार को घर लौटने मोहाली स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। पंजाब सरकार की तरफ से वित्त मंत्री हरपाल चीमा तथा सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने उनका स्वागत किया। हरलीन और अमनजोत शुक्रवार सुबह चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरीं। यहां परिवार और प्रशंसकों की भारी भीड़ ने दोनों का स्वागत किया। हवाई अड्डे के बाहर सडक़ों पर भी लोग दोनो महिला खिलाडिय़ों के स्वागत के लिए खड़े थे। अमनजोत और हरलीन को फूलों और पोस्टर से सजाई खुली जिप्सी में चंडीगढ़ एयरपोर्ट से मोहाली में उनके घर तक छोड़ा जाएगा। हवाई अड्डे पर हरलीन ने कहा कि उन्हें परिवार का काफी सहयोग रहा है। जिससे उन्हें आगे खेलने की आजादी मिली है। उन्होंने कहा कि मेरे साथ ड्रीम डू कम ट्रू हुआ है। सबको मेहनत करनी चाहिए। अमनजोत ने कहा कि हमें पूरा पंजाब लेने आया है। इससे अधिक मान-सम्मान की बात हमारे क्या ही होगी। फैमिली के बिना हम कुछ नहीं है। उन्होंने काफी सपोर्ट किया।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स: सबालेंका ने मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, रियाद

विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने धीमी शुरुआत के बावजूद शानदार वापसी करते हुए मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ को 7-6(5), 6-2 से हराया और सीज़न-एंडिंग डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ही सबालेंका ने जेसिका पेगुला के लिए भी अंतिम-चार में जगह सुनिश्चित कर दी। तीन साल पहले फाइनल तक पहुंच चुकी बेलारूस की सबालेंका इस टूर्नामेंट में अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं। उन्होंने स्टेफी ग्राफ ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और अब उनका सामना अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनीसिमोवा से होगा, जो यूएस ओपन फाइनल की पुनरावृत्ति होगी। वहीं, अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला का मुकाबला फॉर्म में चल रहीं कज़ाख खिलाड़ी एलेना राइबाकिना से होगा, जिन्होंने सेरेना विलियम्स ग्रुप से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गॉफ का सर्व पहले मैच में पेगुला के खिलाफ हार के बाद से ही चिंता का विषय था, लेकिन सबालेंका के खिलाफ उन्होंने आक्रामक रिटर्न गेम से शुरुआत करते हुए ब्रेक हासिल किया और 4-2 की बढ़त बनाई। हालांकि, सबालेंका ने महत्वपूर्ण मौकों पर ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए मैच में वापसी की और 5-5 पर स्कोर बराबर किया। पहले सेट के टाईब्रेक में उन्होंने जबरदस्त फाइट दिखाते हुए जीत दर्ज की और फिर दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त बनाकर मुकाबले पर पूरी तरह कब्ज़ा कर लिया। 27 वर्षीय सबालेंका ने अंत में शानदार अंदाज़ में मैच अपने नाम किया और खिताब की ओर एक कदम और बढ़ाया।

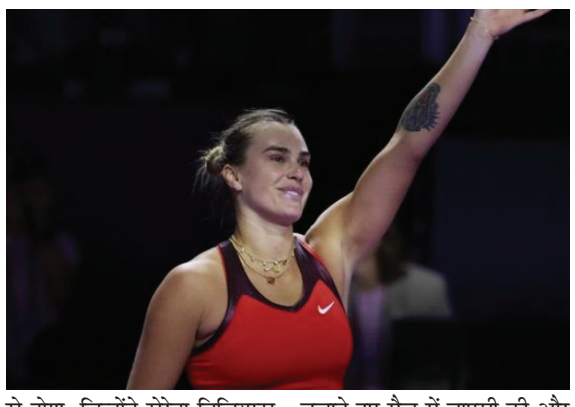

ध्यानचंद स्टेडियम में मनाया गया भारतीय हॉकी के 100 गौरवशाली वर्षों का जश्न

» डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा- हॉकी ने ओलंपिक में दिलाई भारत को पहचान

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत में हॉकी के 100 गौरवशाली वर्षों का जश्न शुक्रवार को नई दिल्ली के ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में भव्य रूप से मनाया गया। यह आयोजन भारतीय हॉकी की 1925 से लेकर आज तक की 100 वर्ष की गौरवगाथा 'संघर्ष, सफलता और पुनर्जागरण' को समर्पित था। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और हॉकी इंडिया की ओर से आयोजित इस विशेष समारोह में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, ओडिशा के खेल मंत्री सूर्यवंशी सूरज, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष डेटो तय्यब इकराम, सहित कई गणमान्य अतिथियों, दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों के सदस्यों ने शिरकत की। इस अवसर पर डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, "हॉकी ने ओलंपिक में भारत को गर्व का स्थान दिलाया। हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या कर सकता है। आज पूरा भारत इस गौरवशाली यात्रा का जश्न मना रहा है। देशभर में आज एक हजार से अधिक मैच खेले जा रहे हैं, जो हमारी एकता और खेल भावना का प्रतीक है। सरकार आगे भी खिलाड़ियों और इस खेल को हर संभव सहयोग देती रहेगी।" संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, "मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि इस ऐतिहासिक दिन पर हॉकी के महान खिलाड़ियों के बीच खड़ा हूं। यह खेल भारत की गौरवशाली परंपरा और भविष्य की प्रेरणा दोनों है।" एफआईएचअध्यक्ष डेटो तय्यब इकराम ने कहा, "भारत ने पिछले 100 वर्षों में विश्व हॉकी को दिशा दी है। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत की वापसी इस खेल की ताकत को दिखाती है। आने वाले 100 वर्ष और भी उज्जवल होंगे।"

स्पोर्ट्स मिनिस्टर XI ने जीता प्रदर्शनी मैच- इस अवसर पर डॉ. मांडविया की अगुवाई वाली स्पोर्ट्स मिनिस्टर XI और डॉ. दिलीप तिर्की की कप्तानी वाली हॉकी इंडिया XI के बीच एक प्रदर्शनी मैच खेला गया। मुकाबले में स्पोर्ट्स मिनिस्टर XI ने 3–1 से जीत दर्ज की। ब्यूटी डुंगडुंग, सलीमा टेटे और कृष्णा पाठक ने विजेता टीम के लिए गोल दागे, जबकि मनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया XI के लिए एकमात्र गोल किया।

हॉकी के दिग्गजों का सम्मान और स्मारक पुस्तक का विमोचन- कार्यक्रम के दौरान हॉकी इंडिया ने देश के महान खिलाड़ियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। सम्मानित खिलाड़ियों में गुर्बक्स सिंह, हरबिंदर सिंह, अजीत पाल सिंह, अशोक कुमार, बी.पी. गोविंदा, असलम शेर खान, जफर इकबाल, ब्रिगेडियर हरचरण सिंह (VSM), वीनीत कुमार, रोमियो जेम्स, असुंता लकड़ा और सुभद्रा प्रधान शामिल थे।

इस अवसर पर "100 इयर्स ऑफ इंडियन हॉकी" शीर्षक से एक स्मारक पुस्तक भी जारी की गई, जो हॉकी के सौ साल के सफर, ओलंपिक की ऐतिहासिक झलकियों और स्मृतियों को समेटे हुए है। एक विशेष फोटो प्रदर्शनी में 1928 एम्स्टर्डम ओलंपिक से लेकर वर्तमान युग तक की दुर्लभ तस्वीरें प्रदर्शित की गईं।

ट्रॉफी टूर और संगीत कार्यक्रम ने बढ़ाया उत्सव का रंग- कार्यक्रम के दौरान एफआईएच हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 की ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया, जो अब 20 शहरों के ट्रॉफी टूर पर जाएगी। प्रसिद्ध गायक और संगीतकार सिद्धार्थ महादेवन ने अपने ऊर्जावान प्रदर्शन से समारोह में रंग भर दिया।

पूरा देश हॉकी महोत्सव में शामिल- देशभर में इस जश्न को एक राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाया गया। 500 जिलों में आयोजित "नेशनल हॉकी फेस्टिवल" में 36,000 से अधिक खिलाड़ी और 1,000 से ज्यादा मैच खेले गए। स्कूलों, पूर्व खिलाड़ियों और स्थानीय टीमों की भागीदारी ने इस आयोजन को एक सच्चे जनोत्सव का रूप दिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, "यह वही स्टेडियम है जहाँ मैंने अपना पहला कैंप और पहला बड़ा टूर्नामेंट खेला था। आज यह समारोह उन सभी के प्रति श्रद्धांजलि है जिन्होंने भारतीय हॉकी की नींव रखी। सरकार और सभी हितधारकों के समर्थन से हमें यकीन है कि आने वाले वर्षों में और भी गौरव के पल मिलेंगे।" हॉकी इंडिया के महासचिव भोलनाथ सिंह ने कहा, "यह पल पूरे हॉकी परिवार का है। हम सरकार और सभी राज्यों की यूनिट्स का आभार व्यक्त करते हैं जिनके सहयोग से यह शताब्दी समारोह संभव हो पाया।"

व्यापार

सर्राफा बाजार में चमकी चांदी, एक दिन में 2,200 रुपये तक बढ़ी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लौटी तेजी का असर आज चांदी के भाव में आए उछाल के रूप में भी नजर आ रहा है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आ गई है। आज की इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,50,400 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत उछल कर 1,52,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,50,400 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,51,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 1,52,800 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,52,100 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी होकर 1,65,100 रुपये के स्तर पर आ गई है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि चांदी की कीमत मे आज आई उछाल की सबसे बड़ी वजह वेडिंग सीजन की मांग में आई तेजी है। इसके साथ ही गुरुवार से चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड में भी तेजी आई है। खासकर, सोलर सेक्टर ने गुरुवार की शाम बल्क पर्चेजिंग करके चांदी की मांग में अचानक तेजी ला दी है।

निचले स्तर से शानदार रिकवरी के बावजूद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन आज घरेलू शेयर बाजार में निचले स्तर से जबरदस्त रिकवरी देखी गई। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से शेयर बाजार तेज गिरावट का शिकार हो गया। लेकिन सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे धीरे-धीरे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रिकवरी शुरू कर दी। खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले ये दोनों सूचकांक हरे निशान में अपनी जगह बनाने में सफल रहे। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में आ गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.11 प्रतिशत और निफ्टी 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान कैपिटल मार्केट और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी हुई। इसी तरह पीएसयू बैंक, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 466.35 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.83 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 52 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,315 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,065 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,105 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 145 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,830 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,407 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,423 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 160.86 अंक की कमजोरी के साथ 83,150.15 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही सेंसेक्स 83 हजार अंक के स्तर को ब्रेक करते हुए 640.06 अंक टूट कर 82,670.95 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाना शुरू किया, जिससे धीरे-धीरे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर दी, जिससे दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स निचले स्तर से 715 अंक से अधिक उछल कर 79.10 अंक की तेजी के साथ 83,390.11 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। आखिरी घंटे के कारोबार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 175 अंक फिसल कर 94.73 अंक की गिरावट के साथ 83,216.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 75.90 अंक लुढ़क कर 25,433.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 191.25 अंक फिसल कर 25,318.45 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही लिवाली के कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले निफ्टी निचले स्तर से 230 अंक से ज्यादा की रिकवरी करके 41.55 अंक की मजबूती के साथ 25,551.25 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इस स्तर पर पहुंचने के बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ऊपरी स्तर से 58 अंक से अधिक टूट कर 17.40 अंक की गिरावट के साथ 25,492.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस 3.01 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 2.38 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.37 प्रतिशत, टाटा स्टील 2.31 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, भारती एयरटेल 4.47 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 1.95 प्रतिशत, इंटरग्लोब एविएशन 1.92 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.90 प्रतिशत और अपोलो हॉस्पिटल 1.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

बाजार की कमजोरी के बावजूद निवेशकों को 52 हजार करोड़ का मुनाफा

दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचीं सीतारमण ने टाटा सेमीकंडक्टर प्लांट का दौरा किया

नई दिल्ली। दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार सुबह गुवाहाटी पहुंचीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टाटा समूह के 27 हजार करोड़ रुपये के सेमीकंडक्टर संयंत्र का दौरा किया। इसे असम के मोरीगांव जिले में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने राज्य के विभिन्न स्थानों पर कई परियोजनाओं का भी अनावरण किया। सीतारमण ने असम के अपने दौरे की शुरुआत मोरीगांव जिले के जगीरोड स्थित टाटा समूह की आगामी सेमीकंडक्टर सुविधा का निरीक्षण करके की। यह 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाली एक ऐतिहासिक परियोजना है, जिसका उद्देश्य भारत की सेमीकंडक्टर विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देना है। इस परियोजना ने पूर्वोत्तर को भारत के उभरते सिलिकॉन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया है। आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट इकाई इस क्षेत्र में सबसे महत्वाकांक्षी उच्च-प्रौद्योगिकी निवेशों में से एक है और भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में एक बड़ी उपलब्धि है। वित्त मंत्री का असम दौरा ऐसे समय में हो रह है, जब केंद्र सरकार वैश्विक कमी और बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच घरेलू चिप निर्माण का विस्तार करने, आयात पर निर्भरता कम करने और एक मज़बूत सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला बनाने के प्रयासों में तेजी ला रही है। सीतारमण ने असम के मोरीगांव जिले के जगीरोड में छात्रों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों के साथ संवाद 'एंटरप्राइज असम-विकसित भारत 2047' में भाग लिया।

स्टॉक मार्केट में स्टड्स की फीकी एंट्री, कमजोर लिस्टिंग के बाद हुई बिकवाली से नुकसान में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। हेलमेट बनाने वाली कंपनी स्टड्स एसेसरीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 585 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 3 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 570 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 565 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद मामूली लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर कुछ देर के लिए अपने इश्यू प्राइस यानी 585 रुपये तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से इसकी चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टड्स एसेसरीज के शेयर बीएसई पर 560.45 रुपये और एनएसई पर 560.30 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 4.2 प्रतिशत का नुकसान हो गया। स्टड्स एसेसरीज का 455.49 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 73.25 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 159.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 76.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 22.08 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 77,86,120 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये जारी किए गए हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 33.15 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 57.23 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 69.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 11 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 595.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून, 2025 में कंपनी को 20.25 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी को 152.01 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल हो चुका है। इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 30.58 करोड़ रुपये, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में कम होकर 61 लाख रुपये हो गया। हालांकि तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज बढ़ कर 2.91 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी पर कर्ज का बोझ 2.91 करोड़ रुपये के स्तर पर ही है। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 328.18 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में बढ़ कर 377.57 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में उछल कर 429.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में रिजर्व और सरप्लस 450.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इमरान हाशमी की 'हक' का रास्ता साफ

इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' को लेकर चल रहा विवाद अब समाप्त हो गया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए फिल्म के प्रदर्शन का रास्ता साफ कर दिया है। अदालत ने माना कि यह फिल्म 1985 के ऐतिहासिक शाह बानो मामले से प्रेरित है, न कि उस पर आधारित। दरअसल, शाह बानो बेगम की बेटी सिद्दीका बेगम खान ने फिल्म की रिलीज रोकने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि फिल्म उनकी मां के जीवन पर आधारित है और इसे उनकी अनुमति के बिना बनाया गया है।

उच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार पर दी अहम टिप्पणी : इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा ने सुनवाई के दौरान कहा, "किसी व्यक्ति द्वारा अर्जित निजता या प्रतिष्ठा उसकी मृत्यु के साथ समाप्त हो जाती है। इसे किसी चल या अचल संपत्ति की तरह विरासत में नहीं दिया जा सकता।" उन्होंने आगे कहा कि फिल्म के डिस्क्लेमर में स्पष्ट रूप से लिखा है कि यह नाटक काल्पनिक है, एक किताब पर आधारित है और उच्चतम न्यायालय के एक फैसले से प्रेरित है, इसलिए इसे मनगढ़ंत नहीं कहा जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि जब कोई मामला सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा बन जाता है, तो उस पर टिप्पणी करना प्रेस और मीडिया का वैध अधिकार है। इस आधार पर अदालत ने फिल्म की रिलीज पर कोई प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया। सुपर्ण एस. वर्मा द्वारा निर्देशित 'हक' में इमरान हाशमी और यामी गौतम मुख्य भूमिकाओं में हैं। अब कोर्ट के फैसले के बाद फिल्म 7 नवंबर को निर्धारित समय पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

माइकल जैक्सन की बायोपिक का टीजर रिलीज

दुनियाभर के संगीत प्रेमियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है, दिवंगत पॉप किंग माइकल जैक्सन एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटने वाले हैं। उनकी बायोपिक फिल्म 'माइकल' का पहला आधिकारिक टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसने इंटरनेट पर धूम मचा दी है। इस फिल्म में माइकल के भतीजे जाफर जैक्सन अपने चाचा का किरदार निभा रहे हैं, और उनके लुक व परफॉर्मेंस को देखकर फैन्स बेहद भावुक हो गए हैं। फिल्म 'माइकल' के टीजर की शुरुआत क्विंसी जोन्स रिकॉर्डिंग स्टूडियो के एक दृश्य से होती है, जहां माइकल अपने म्यूजिक पर काम करते नजर आते हैं। कैमरा धीरे-धीरे उनकी झलक दिखाता है, उनके प्रसिद्ध डांस मूव्स, अनोखे फैशन सेंस और मंच पर उनके करिश्मे की झलक ने दर्शकों को पुरानी यादों में ले जाता है। टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर माइकल मूवी ट्रेंड करने लगा। इस बायोपिक को एंटोनी फुक्वा ने निर्देशित किया है, जो 'ट्रेनिंग डे' और 'द इक्वलाइजर' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं। फिल्म की कहानी जॉन लोगन ने लिखी है, जिन्होंने 'ग्लैडिएटर' और 'स्काईफॉल' जैसी फिल्मों की पटकथा भी तैयार की थी। निर्माताओं के मुताबिक, यह फिल्म माइकल जैक्सन के असाधारण जीवन, उनकी प्रसिद्धि के शिखर और निजी संघर्षों की सच्ची कहानी को गहराई से दिखाएगी। फैन्स के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी यह है कि 'माइकल' फिल्म अगले साल 24 अप्रैल 2026 को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

'जन नायकन' का नया पोस्टर रिलीज

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय के राजनीति में कदम रखने के बाद जहां उनके प्रशंसक गर्व महसूस कर रहे हैं, वहीं उन्हें फिल्मों से दूर होता देख भावुक भी हैं। अब अभिनेता की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' का नया पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। निर्माताओं ने 'जन नायकन' का ताजा पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय एक बेहद शक्तिशाली और करिश्माई अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर रिलीज डेट के रूप में '9 जनवरी' अंकित है, यानी यह फिल्म पोंगल 2026 पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। दिलचस्प बात यह है कि विजय की 'जन नायकन' की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' से होगी, जो इसी दिन रिलीज होने जा रही है। दोनों ही फिल्मों को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्सुकता है, जिससे पोंगल वीकेंड पर एक बड़ा सिनेमाई मुकाबला देखने को मिल सकता है। 'जन नायकन' में विजय के साथ पूजा हेगड़े और ममिता बैजू प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है, जबकि इसका निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले हुआ है। राजनीति में प्रवेश से पहले 'जन नायकन' थलापति विजय की आखिरी फिल्म होगी, जिसे लेकर उनके प्रशंसक इसे एक यादगार सिनेमाई विदाई मान रहे हैं।

'जटाधारा' रिलीज़ से पहले ही जबरदस्त चर्चा में

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू अभिनीत मैग्नम ओपस 'जटाधारा' अपनी रिलीज़ से पहले ही जबरदस्त चर्चा में है। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी 'जटाधारा' की टीम ने इसकी प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए वास्तविक तांत्रिक अनुष्ठानों का आयोजन किया, जिससे दृश्यों में आध्यात्मिक ऊर्जा और वास्तविकता झलके। फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए इन अनुष्ठानों में असली मंत्रों का जाप किया गया और प्रशिक्षित तांत्रिकों की देखरेख में पूरा माहौल तैयार किया गया। यह फिल्म न केवल एक अलौकिक ड्रामा है, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और रहस्यमय अनुष्ठानों से जुड़ी एक गहरी सिनेमाई यात्रा भी है। निर्देशक वेंकट कल्याण ने कहा, "हम केवल रहस्यमयी ऊर्जा को दिखाना नहीं, बल्कि उसे महसूस करना चाहते थे। 'जटाधारा' जैसी कहानी सिर्फ इफेक्ट्स से नहीं, बल्कि उस भावनात्मक गहराई से जुड़ती है जो मनुष्य को अदृश्य से संबंध जोड़ने की प्रेरणा देती है।" फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने बताया कि 'जटाधारा' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था और निडरता से जन्मा एक अनुभव है। उन्होंने कहा, "हम ऐसा संसार बनाना चाहते थे जो सच्चा और आत्मिक लगे। हर मंत्र, हर भावना वास्तविकता से उपजी थी। सेट का माहौल इतना शक्तिशाली था कि ऐसा लगता था मानो सिनेमा और दिव्यता का संगम हो गया हो।" सह-निर्देशक अभिषेक जायसवाल ने भी कहा कि इस फिल्म में विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर रहने के बजाय प्रामाणिकता पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा, "जो ध्वनि और कंपन प्राचीन अनुष्ठानों में होती है, वही दर्शकों तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य था। सेट पर वे पल बेहद ऊर्जावान थे और यकीन है दर्शक भी उसकी तीव्रता को महसूस करेंगे।" 'जटाधारा' जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसे उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने मिलकर बनाया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, रोहित पाठक और झांसी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

विजय सेतुपति संग नई सिनेमाई यात्रा शुरू करेंगे मणिरत्नम

दिग्गज निर्देशक मणिरत्नम, जिन्होंने हाल ही में कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' का निर्देशन किया था, अब सुपरस्टार विजय सेतुपति के साथ एक नए प्रोजेक्ट की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत भी मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रशंसकों में उत्साह की लहर दौड़ गई है। यह दूसरा मौका होगा जब विजय सेतुपति और मणिरत्नम एक साथ काम करेंगे। इससे पहले दोनों ने 2018 की फिल्म

'चेक्का चिवन्था वनम' में साथ काम किया था, जिसे दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने खूब सराहा था। रिपोर्ट के अनुसार, मणिरत्नम इस बार एक खूबसूरत प्रेम कहानी पर काम कर रहे हैं, जिसमें विजय सेतुपति और रुक्मिणी वसंत लीड जोड़ी के रूप में नजर आएंगे। यह जोड़ी पहले भी फिल्म 'ऐस' में साथ दिखाई दे चुकी है, जो रुक्मिणी की तमिल डेब्यू फिल्म थी।

ध्रुव विक्रम की एंट्री की भी चर्चा : फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अभिनेता ध्रुव विक्रम भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकते हैं, हालांकि इस बारे में अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। मणिरत्नम के निर्देशन और विजय सेतुपति के अभिनय के मेल से दर्शकों को एक बार फिर एक क्लासिक रोमांटिक अनुभव मिलने की उम्मीद है।

'120 बहादुर' का ट्रेलर रिलीज, फरहान अख्तर बने मेजर शैतान सिंह

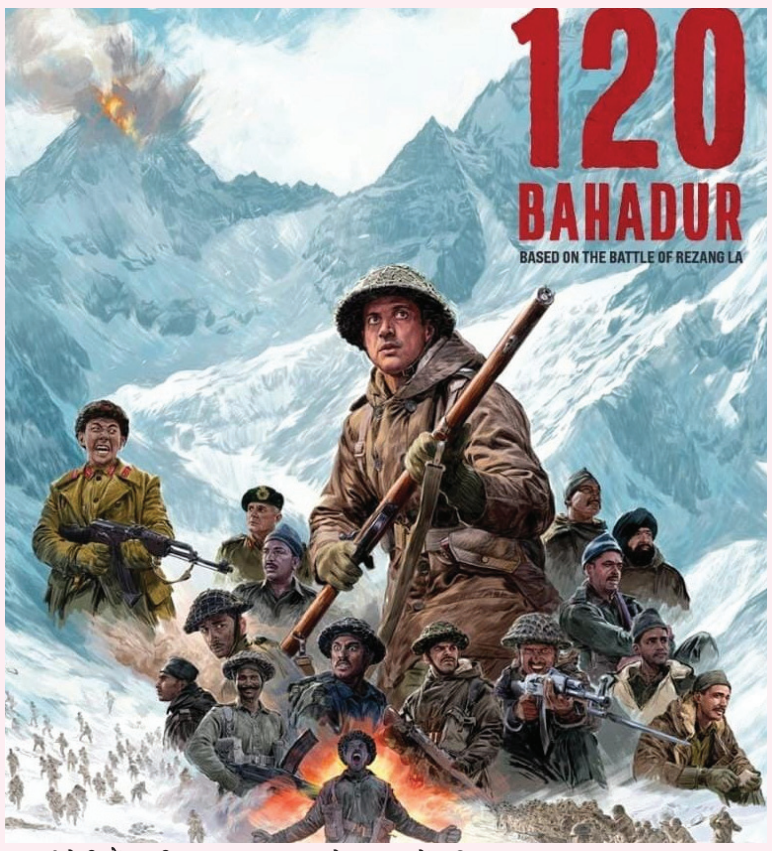

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर अपनी बहुप्रतीक्षित देशभक्ति फिल्म '120 बहादुर' के साथ फिर से बड़े पर्दे पर लौटने के लिए तैयार हैं। फिल्म का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है और इसे देखकर दर्शकों के रौंगटे खड़े हो गए हैं। 2 मिनट 39 सेकंड लंबे इस ट्रेलर में भारतीय सेना के 120 बहादुर जवानों की कहानी दिखाई गई है, जिन्होंने 1962 के भारत-चीन युद्ध में अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश की रक्षा की थी।

ट्रेलर में दिखा शौर्य और बलिदान का अद्भुत संगम : ट्रेलर की शुरुआत दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन की गंभीर आवाज़ से होती है, जो भारत-चीन युद्ध के ऐतिहासिक संदर्भ को बताते हुए कहते हैं, "कुछ लड़ाइयां सिर्फ सरहदों के लिए नहीं, बल्कि आत्मसम्मान के लिए लड़ी जाती हैं।" इसके बाद दृश्य बदलते हैं और फरहान अख्तर अपने सैनिक साथियों के साथ दुर्गम बर्फीले इलाकों में दुश्मन का सामना करते दिखाई देते हैं। फरहान का किरदार, मेजर शैतान सिंह भाटी, निडर और दृढ़ संकल्पित सैनिक के रूप में उभरता है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद 120 वीरों के साथ हजारों चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला करता है।

निर्देशन और विजुअल्स ने बढ़ाया उत्साह : फिल्म का निर्देशन रजनीश 'रेजी' घई ने किया है, जो इससे पहले एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में फरहान अख्तर के अलावा राशि खन्ना और एजाज खान भी अहम भूमिकाओं में हैं। राशि एक संवेदनशील किरदार में नजर आती हैं जो देश के जवानों के संघर्ष को भावनात्मक गहराई देती हैं। वहीं एजाज खान अपने सशक्त संवादों और तीव्र स्क्रीन प्रेजेंस से ध्यान खींचते हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान निर्माताओं ने लिखा, "एक सच्ची कहानी पर आधारित जिसने हमारे देश के इतिहास को आकार दिया, 120 बहादुर का ट्रेलर अब जारी हो गया है।" फिल्म के निर्माता अमित चंद्रा हैं, जिन्होंने इसे बड़े पैमाने पर बनाया है ताकि दर्शक 1962 के युद्ध की वीरता को महसूस कर सकें। फिल्म '120 बहादुर' 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म सिर्फ एक युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि उन सैनिकों की गाथा है जिन्होंने अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति की मिसाल पेश की। ट्रेलर ने साफ कर दिया है कि यह फिल्म दर्शकों को भावनात्मक रूप से झकझोरने के साथ-साथ गर्व से सिर ऊंचा करने पर मजबूर कर देगी।

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल बने माता-पिता

बॉलीवुड की ग्लैमरस जोड़ी कैटरीना कैफ और विक्की कौशल अब माता-पिता बन गए हैं। अभिनेत्री ने बेटे को जन्म दिया है। दोनों ने सोशल मीडिया पर यह खुशखबरी शेयर करते हुए अपने जीवन के इस नए अध्याय की शुरुआत का ऐलान किया। कैटरीना और विक्की ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट में लिखा, "हमारी खुशियों का पिटारा आ गया है। हमारे बेटे के आगमन ने हमारी ज़िंदगी को और भी खूबसूरत बना दिया है।" इस घोषणा के बाद से सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया है। फैंस, इंडस्ट्री के साथी कलाकार और शुभचिंतक इस जोड़ी पर प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर रहे हैं। कैटरीना कैफ ने सितंबर 2025 में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर शेयर की थी। इसके बाद से ही विक्की कौशल कई मौकों पर पिता बनने की उत्सुकता जाहिर कर चुके थे। हाल ही में एक इवेंट में उन्होंने कहा था, "समय करीब है... और मैं बेहद खुश और नर्वस दोनों हूं।"

चार साल बाद नई खुशियों का आगमन : कैटरीना और विक्की की शादी दिसंबर 2021 में राजस्थान के सवाई माधोपुर के फोर्ट बरवाड़ा में हुई थी। यह शादी बॉलीवुड की सबसे चर्चित शादियों में से एक रही थी, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों ने ही शिरकत की थी। अब, करीब चार साल बाद यह जोड़ी माता-पिता बनी है, और उनके लिए यह एक भावनात्मक व यादगार पल बन गया है।

'अल्फा' अब 17 अप्रैल 2026 को होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट की अपकमिंग एक्शन फिल्म 'अल्फा' अब 17 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। पहली बार फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आएगी। यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) के इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है, क्योंकि यह स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म होगी। पहले यह फिल्म क्रिसमस 2025 पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे 17 अप्रैल 2026 तक के लिए टाल दिया गया है। वाईआरएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि रिलीज डेट आगे बढ़ाने की मुख्य वजह फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स हैं। 'अल्फा' का स्केल बेहद बड़ा है और इसके एक्शन सीक्वेंस को अंतरराष्ट्रीय स्तर का विजुअल एक्सपीरियंस देने के लिए तैयार किया जा रहा है। प्रवक्ता ने कहा, "फिल्म के वीएफएक्स पर उम्मीद से ज्यादा काम बाकी है। मेकर्स किसी भी तरह की जल्दबाजी नहीं करना चाहते, क्योंकि फिल्म का हर फ्रेम शानदार दिखना चाहिए। दर्शकों को एक भव्य सिनेमाई अनुभव देने के लिए अतिरिक्त समय देना जरूरी लगा।" 'अल्फा' में आलिया भट्ट और शरवरी दोनों ही दमदार एक्शन अवतार में नजर आएंगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में बॉबी देओल खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि उनके और आलिया-शरवरी के बीच के एक्शन सीक्वेंस को फिल्म का हाइलाइट माना जा रहा है। अनिल कपूर भी इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगे। 'अल्फा' यशराज फिल्म्स के लोकप्रिय स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है', 'वॉर' और 'पठान' जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। इस बार स्पाई यूनिवर्स में महिला एजेंट्स की कहानी को केंद्र में रखा गया है, जिससे यह फिल्म इस फ्रैंचाइज़ का नया अध्याय बनने जा रही है। फिल्म के एक्शन दृश्यों की शूटिंग भारत सहित कई अंतरराष्ट्रीय लोकेशंस पर की गई है।

जोधपुर पहुंची फिल्म 120 बहादुर की टीम

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर और अभिनेत्री राशि खन्ना अपनी अपकमिंग वॉर ड्रामा फिल्म 120 बहादुर के प्रमोशन के लिए गुरुवार को जोधपुर पहुंचे। उनका यह दौरा सिर्फ प्रमोशन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दोनों सितारों ने यहां देशभक्ति की भावना को बढ़ाते हुए एक बेहद भावुक कदम उठाया। उन्होंने मेजर शैतान सिंह परमवीर चक्र मेमोरियल फाउंडेशन कागा ट्रस्ट द्वारा आयोजित सभा में पहुंचकर परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। फिल्म 120 बहादुर मेजर शैतान सिंह भाटी और 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांग ला की लड़ाई में शहीद हुए 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों के असाधारण शौर्य पर आधारित है। फरहान अख्तर फिल्म में मेजर शैतान सिंह का किरदार निभा रहे हैं, अपनी को-स्टार राशि खन्ना के साथ आज वह सीधे कागा पहुंचे। जहां दोनों अभिनेताओं ने मेजर शैतान सिंह भाटी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही मेजर शैतान सिंह के बलिदान को याद कर भारतीय सेना के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस मौके पर फरहान अख्तर ने कहा कि मेजर शैतान सिंह के साहस और नेतृत्व की कहानी हर भारतीय को गर्व से भर देती है। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं ऐसे महानायक की भूमिका निभा रहा हूं, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। यह फिल्म भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे साहसी लड़ाइयों में से एक रेजांग ला की जंग पर आधारित है। फिल्म का संदेश हम पीछे नहीं हटेंगे, भारतीय सेना के वीरता और समर्पण की भावना को जीवंत करता है। बता दें कि 120 बहादुर की कहानी चार्ली कंपनी के उन 120 जवानों के अदम्य साहस को दर्शाती है, जिन्होंने भीषण ठंड और कठिन परिस्थितियों में भी 3000 से अधिक चीनी सैनिकों का बहादुरी से सामना किया था। एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह वॉर ड्रामा फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

Manoj Jarange accuses ex-Maha minister Dhananjay Munde of plotting to kill him

New Delhi, Agency: Maratha quota activist Manoj Jarange on Friday alleged that former Maharashtra minister and NCP MLA Dhananjay Munde had plotted to kill him, a charge denied by the latter, who demanded a CBI probe into the complaint lodged in this connection.

According to the Jalna police, two persons have been detained, following a probe into a formal complaint submitted by Jarange's associate Gangadhar Kalkute earlier this week, alleging a plot to kill the activist.

Speaking to reporters, the quota activist alleged, "Dhananjay Munde plotted to kill me. A person identified as Kanchan, who is Munde's PA or someone known to him, had taken one of the detained suspects to Parli guest house, where Munde had convened a meeting and spoke to them."

He claimed that discussions were held to defame him by creating fake videos and recordings of him or to kill him using some medicines.

After the meeting, the suspects struck a deal at ?2.5 crore to eliminate him, Jarange alleged.He claimed the involvement of at least 18 persons in the conspiracy and alleged that the suspects also met Munde in Mumbai and asked for a vehicle to cause an accident.

Munde, meanwhile, termed Jarange's allegations as "baseless, malicious, and politically motivated" and claimed he has never spoken against the activist.

He alleged that the persons detained in connection with the case were associated with Jarange himself.

"I visit the Parli guest house every Monday, and people come there for discussions and meetings. The accused arrested in this case are Jarange's people," he claimed, adding that attempts were being made to end his political career.The NCP MLA from Parli said he would appeal to Chief Minister Devendra Fadnavis to order a CBI investigation in this case.

Kolkata Municipal Corporation assistant engineer arrested in disproportionate assets case

Kolkata, Agency: The Anti-Corruption Branch of the West Bengal Police has arrested an assistant engineer of the Kolkata Municipal Corporation in a disproportionate assets case. The accused has been identified as Partha Chongdar, who worked in the corporation's Planning and Development Department.

According to a statement issued by the police on Friday, an investigation was initiated against Partha after a complaint was filed with the Anti-Corruption Branch.

The investigation revealed that between 2017 and 2021, he had acquired assets worth more than Rs 5 crore (approximately Rs 5 crore) in excess of his official income. Based on this, he has been detained.

An investigation is now underway to determine how such a large sum became part of his income and whether his official position was misused.

There has been no official response from the municipal administration in this regard.

It is noteworthy that, before this, Kolkata Municipal Corporation Mayor Firhad Hakim has clearly said many times that the government's policy in case of corruption is of zero tolerance.

Lack of seriousness in controlling Rajasthan's Jojari River pollution: SC

New Delhi,Agency: The state government said it is engaging expert bodies to address the issue and that the measures it is taking will be included in its status report

The Supreme Court on Friday expressed concern over a lack of seriousness in removing pollution in Rajasthan's Jojari River, noting it poses a health hazard to nearly two million people.

The Supreme Court took suo motu cognisance of the matter. (ANI)

The Supreme Court took suo motu cognisance of the matter. (ANI)

"It seems none of the autonomous bodies in Rajasthan want pollution to be removed,"

said a bench of justices Vikram Nath and Sandeep Mehta in a suo motu matter on the worsening river pollution due to industrial waste and domestic sewage in Jodhpur, Jaipur, and Pali.

The bench observed that appeals of the Rajasthan State Industrial

Development and Investment Corporation Limited (RIICO), civic bodies of Pali, Balotra, and Jodhpur were pending before the court against a 2022 National Green Tribunal (NGT) order for cleaning the river.

The bench sought instructions within 10 days on whether RIICO and the civic bodies were keen to pursue these appeals.

It posted the matter for hearing next on November 17 and directed the state to file a status report.

Additional advocate general Shiv Mangal Sharma, who represented Rajasthan, said that the appeals pertain to the ?2 crore cost imposed on the RIICO and the civic bodies for failing to keep the river clean.

The bench said the cost was rightly imposed. "We will deal with it."

Sharma said the state is engaging expert bodies to address the issue. He added that the measures it is taking will be included in the status report.

In 2022, the NGT directed the closure of pollution-causing industries and sought plans to control the pollution.

The Supreme Court took suo motu cognisance, observing that the matter is of serious concern.

It said the constant discharge of industrial waste has made the river dead, poisonous, and dangerous to the villages, where the Jojari water is used for agriculture and cattle.

The river originates in the hills of Nagaur and flows through Jodhpur and Barmer before joining the Luni.

Collective Responsibility Is Key to Fighting Corruption: R.H. Randhir Kumar

Sagar Suraj

MOTIHARI – The Central Bank of India's Regional Office in Motihari organized an awareness drive on Friday as part of Vigilance Awareness Week 2025 under the theme "Vigilance: Our Shared Responsibility."

The program was led by Regional Head R.H. Randhir Kumar, who emphasized that vigilance means staying alert, working with honesty, and keeping away from corruption.

As part of the campaign, bank officials and staff members held an awareness march from the regional office to the overbridge and back, sensitizing the people of Motihari about the importance of integrity in public and personal life. Speaking on the occasion, Randhir Kumar highlighted that this year's campaign—observed between August 18 and November 17—aims to encourage collective participation in the fight against corruption.

He said the primary goal is to foster a spirit of zero tolerance toward corruption across all levels of society. "Corruption is not just an enemy of the government but of the entire community," he stated.He further stressed that every citizen, official, and organization must play an active role in promoting ethical behavior and reporting irregularities to help build a transparent and developed nation. According to him, honesty and integrity are the true symbols of patriotism.

If everyone remains vigilant and performs their duties sincerely, India can achieve the vision of a clean, fair, and corruption-free society. "Change must begin within ourselves; when each person upholds honesty, a just and corruption-free nation can become a reality," he added.

The event was attended by Lead District Manager Rajendra Kumar Pandey, Chief Managers Satyendra Kumar Pandey and Abhinav Anand, officers Gautam Kumar and Avinash Kumar, Marketing Officer Anil Avinash, and other officials from the regional office.

Maharishi Dayanand was the pioneer of social revolution

Haridwar,Agency: A two-day national seminar focusing on the teachings and ideology of Maharishi Dayanand Saraswati, the pioneer of cultural upliftment, ideological awakening, and social reconstruction of Gurukul Kangri University, was organized by the University's Sanskrit Department in the Dayanand Auditorium. The theme of the seminar was Maharishi Dayanand Saraswati, the hero of the ancient Indian renaissance. Educators, scholars, researchers, and students participated in the seminar. Chief guest Prof. Shriprakash Singh said that Maharishi Dayanand Saraswati was not only a religious reformer but also a pioneer of social revolution.

His slogan of "Return to the Vedas" was a clarion call for knowledge, wisdom, and self-respect in Indian society. He brought the concepts of women's education, equality, self-rule, mother tongue, and mother culture to the masses. Prof.

Singh said that Maharishi Dayanand not only founded the Arya Samaj but also ignited the freedom consciousness of modern India.

Army jawan killed on moving train after clash with attendants; NHRC seeks report

New Delhi,Agency: Army jawan from Gujarat was killed onboard the Jammu Tawi–Sabarmati Express earlier this week after he allegedly got into an argument with train attendants.

The incident took place when the train was passing through Rajasthan's Bikaner district on Sunday night. The victim has been identified as Jigar Kumar Chaudhary, who was returning home to Gujarat during vacation after a field posting.

While some media reports stated that the Chaudhary had an argument with train attendants over seating arrangements, other reports said that the dispute arose over blankets and sheets.

According to officials, the argument escalated and one of the attendants, identified as Zubair Memon, reportedly attacked him with a knife, according to MoneyControl.

After the train reached Bikaner, the Army Jawan was taken to Prince Bijay

Singh Memorial (PBM) Hospital, where doctors declared him brought dead.

The Railway Police and Government Railway Police (GRP) have detained several attendants for questioning. They have also recovered a knife – suspected to have been used in the crime – from the sleeper coach.

"Statements of passengers are being recorded, and interrogation of the detained attendants is underway," a GRP officer was quoted as saying by Ahmedabad Mirror.

NHRC issues notices

Meanhile, National Human Rights Commission (NHRC) has taken cognisance of the alleged incident.

NHRC member Priyank Kanoongo condemned the incident, saying that nothing is more disgraceful than being unable to protect the country's army men.

"...Such criminals should have no place in society.

We have sent a notice to the Chairman of the Railway Board. We have asked him to clarify the admission criteria for railway attendants... We have notified RPF DG as well," Priyank Kanoongo said.

Notices have been issued to Chairman of the Railway Board and the Director-General of the Railway Protection Force (RPF) regarding the disclosure of details related to the recruitment process, qualification criteria, skill assessments and police verification of railway attendants.

Stuntmen kill student at Ganga Barrage

Kanpur, Agency: The havoc of stuntmen was once again seen on Friday at Ganga Barrage under Nawabganj police station area in Kanpur district of Uttar Pradesh. Two youths riding a bike hit two girl students riding a scooter.

One girl student died in the incident, while the other girl student is battling for life. Manish Gupta, who lives in Sarvodaya Nagar area of ??Shuklaganj, is a chef at Hotel Landmark in Kanpur.

The family consists of wife Kanchan and son Sohail and daughter Bhavika (23) who was a BA third year student at DAV Degree College. Family members reported that Bhavika was on her way to the Ganga Barrage on a scooter with her friend Neha Mishra, a resident of Rishi Nagar, Shuklaganj, late Thursday evening.

Delhi HC delivers split verdict on jailed MP Rashid Engineer plea for waiver from charges

New Delhi, Agency: A division bench of the Delhi high court on Friday delivered a split verdict on a petition by jailed Jammu and Kashmir MP Abdul Rashid Sheikh, alias Rashid Engineer, seeking waiver of the travel expenses incurred to attend the Parliament session and asked for the case to be placed before the chief justice for constitution of an appropriate bench.

Placards during a sit-in being staged by Awami Ittehad Party party workers to seek Rashid Engineer's release from prison (PTI FILE)

Placards during a sit-in being staged by Awami Ittehad Party party workers to seek Rashid Engineer's release from prison (PTI FILE)

"My brother (justice Vivek Chaudhary) and I have not been able to concur in the manner in which the application is to be disposed of. The observations are divergent," justice Anup Jairam Bhambhani said on Friday, while pronouncing the verdict.

Justice Vivek Chaudhary added that justice Bhambani had allowed the application while he had ended up rejecting it.

"Since we both have given separate judgments, let the matter be placed before the chief justice for the constitution of an appropriate bench," justice Chaudhary said.

A detailed copy of the verdict is awaited.

Rashid Engineer, an

Independent MP and president of the Awami Ittehad Party (AIP) was arrested by the National Investigation Agency (NIA) under the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA) case in 2019. In its charge sheet, NIA claimed that the accused were involved in using illicit funds to fuel unrest and separatism in Jammu and Kashmir.

Rashid had approached the high court against the trial court's July 22 order, which allowed him to attend the monsoon session of Parliament from July 24 to August 4 on the condition that he bears the costs incurred for his travel from jail.

Rashid said the jail authority raised a bill of 1.44 lakh per day in the name of conveyance and security, and this acted as an impediment in discharge of his public duties as an MP.

NIA opposed the petition, stating that "public duty" could not be a justification for exempting a jailed accused from bearing travel costs in custody.